PLANET NEWS INDIA
हर खबर सच के साथ
Follow us on:/

निर्भय कुमार सेंगर
(संस्थापक एवं प्रधान संपादक)

01

प्लैनेट न्यूज़ इंडिया

हर खबर सच के साथ

भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त
RNI No.- UPHIN/25/A4228

(भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा विज्ञापनों हेतु मान्यता प्राप्त)

■ वर्ष : 01 ■ अंक : 01 ■अलीगढ, मंगलवार 14 जुलाई 2026 ■ पृष्ठ : 8 ■ मूल्य : 1/-रुपया www.planetnewsindia.com

शक ने उजाड़ दिया परिवार: तीन बच्चों के साथ महिला ने खाया जहर, दो मासूम समेत तीन की मौत; एक गंभीर

Mirzapur News: उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर जिले में एक महिला ने पारिवारिक विवाद में खौफनाक कदम उठाया। तीन बच्चों को जहर खिलाने के बाद खुद भी जहर खा लिया। इस दौरान दो बच्चों व महिला की मौत हो गई।

मिर्जापुर जिले के मड़िहान थाना क्षेत्र के परसौना गांव में सोमवार की देर रात पारिवारिक विवाद से आहत होकर एक महिला ने अपने तीनों बच्चों को जहर खिलाकर खुद भी जहर खा लिया। हादसे में महिला, एक पुत्र और एक बेटी की मौत हो गई, जबकि एक पुत्री की हालत गंभरी बनी हुई है, जिसका वाराणसी ट्रॉमा सेंटर में इलाज चल रहा है।

क्या है पूरा मामला

प्राप्त जानकारी के अनुसार परसौना गांव निवासी कुसुम (38 वर्ष) ने अपने बच्चों मधु (12 वर्ष), राधिका (10 वर्ष) और सत्या (8 वर्ष) को जहर देकर खुद भी खा लिया। हालत बिगड़ने पर चारों को पीएचसी मड़िहान लाया गया, जहां से हालत गंभीर देख जिला अस्पताल रेफर किया गया।

इलाज के दौरान जिला अस्पताल में ही कुसुम और राधिका की मौत हो गई। जबकि मधु और सत्या की हालत गंभीर देख ट्रॉमा सेंटर वाराणसी रेफर कर दिया गया। जहां इलाज के दौरान सत्या ने भी दम तोड़ दिया। वहीं मधु की हालत गंभीर बनी हुई है। संतनगर थाना क्षेत्र के कुसुम्हा गांव निवासी कुसुम के भाई छोटू ने बताया कि बहनोई धर्मेंद्र दिल्ली में रहता है। चार दिन पहले घर आया था। कुसुम को शक था कि उसने दूसरी शादी कर ली है। इस विवाद को लेकर 12 जुलाई रविवार को मायके शीतलगढ़ में पूर्व ग्राम प्रधान के घर समझौता हुआ था कि धर्मेंद्र 13 जुलाई सोमवार को कुसुम को विदा कराकर ले जाएगा, लेकिन वह घर आकर चला गया और विदा नहीं कराया। इसी से आहत होकर कुसुम ने यह कदम उठाया।

Aligarh News: एक ही रात में छह नलकूपों से चोरी, केबल-स्टार्टर ले गए चोर

कोतवाली क्षेत्र के गांव सूरजपुर में रविवार रात चोरों ने किसानों के छह निजी नलकूपों को निशाना बनाते हुए केबल और स्टार्टर चोरी कर लिए। घटना से किसानों में आक्रोश है। पीड़ित किसानों ने कोतवाली में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पीड़ित किसान विनोद सिंह, संजय कुमार, हरेंद्र सिंह, सोनू कुमार, अमर सिंह बघेल और यशपाल सिंह ने बताया कि उनके खेतों में लगे नलकूपों के ताले तोड़कर चोर कहीं से केबल और कहीं से स्टार्टर चोरी कर ले गए। धर्मवीर सिंह के नलकूप का ताला तोड़ने का भी प्रयास किया गया, लेकिन चोर सफल नहीं हो सके। इसी रात गांव बाहरपुर निवासी राजेंद्र शर्मा के नलकूप में भी अज्ञात लोगों ने आग लगा दी। आग से नलकूप में रखा काफी सामान जलकर राख हो गया। कोतवाल राजवीर सिंह परमार ने बताया कि किसानों की शिकायत के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी गई है। जल्द ही चोरी और आगजनी की घटनाओं का खुलासा कर आरोपियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

Aligarh News: दादों में कंटेनर से टकराकर बिजली का पोल टूटा, लगा जाम

कस्बा दादों में सोमवार को मुख्य चौराहे पर खलबली मच गई। एक कंटेनर में बिजली की केबल फंसने से विद्युत पोल टूटकर सड़क पर झुक गया। इस हादसे के कारण कुछ समय के लिए आवागमन बाधित हो गया। गनीमत रही कि घटना के वक्त मौके पर कोई मौजूद नहीं था। एक कंटेनर चालक दादों में बदरपुर खाली करने के बाद एटा की ओर लौट रहा था। जैसे ही कंटेनर मुख्य चौराहे के पास पहुंचा, वाहन की ऊंचाई के कारण ऊपर से गुजर रही बिजली की केबल उसमें फंस गई। केबल के तेज खिंचाव से बिजली का पोल टूटकर सड़क की ओर झुक गया। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई।

कुछ देर के लिए यातायात भी प्रभावित रहा। सूचना मिलने पर संबंधित विभाग के कर्मचारी मौके पर पहुंचे। क्षतिग्रस्त केबल और पोल को हटाने का कार्य शुरू किया। स्थिति को सामान्य कराने के प्रयास किए गए। स्थानीय लोगों का कहना है कि समय रहते बड़ा हादसा टल गया।

Aligarh News: एएमयू में नौकरी दिलाने के नाम पर 45 लाख रुपये की ठगी में भाजपा नेता गिरफ्तार

अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) में नौकरी दिलाने के नाम पर 45 लाख रुपये की ठगी में भाजपा नेता सोमवीर सिंह दिवाकर को सोमवार को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार करने के बाद पुलिस ने उन्हें कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया गया। सोमवीर सिंह गांव शाहपुर का रहने वाला है और भाजपा के मंडराक मंडल की कार्यकारिणी में सदस्य है। पुलिस के अनुसार थाना मडराक क्षेत्र के गांव अजीतपुर आसना निवासी रोहित कुमार ने थाने पर रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसमें रोहित ने आरोप लगाया था कि सोमवीर ने खुद को एएमयू में बाबू बताया और उसकी एएमयू में नौकरी लगवाने का भरोसा देकर 45 लाख रुपये किस्तों में ले लिए। एक वर्ष बीत गया लेकिन न तो उसकी नौकरी लगवाई और न ही पूरा पैसा वापस किया। जांच में पता चला कि सोमवीर एएमयू में किसी भी पद पर तैनात नहीं है। पीड़ित ने पुलिस से ऑनलाइन, ऑफलाइन दस्तावेज, ऑडियो वीडियो रिकॉर्डिंग, व्हाट्सएप चैट के साथ शिकायत की। इसके बाद 9.13 लाख रुपये वापस किए, बाकी अभी बकाया है।

सीओ इगलास कमलेश कुमार ने गिरफ्तारी की पुष्टि की है और बताया कि इस पर इसी तरह के दो अन्य अपराध भी दर्ज हैं। इस अपराध में आरोपी न्यायालय से अग्रिम जमानत ले आया था। विवेचना में सबूत मिलने पर धाराएं बढ़ाई गईं और गिरफ्तारी की गई। अभी विवेचना जारी है।

Aligarh News: परिवार संभालें या बस... 140 महिला परिचालकों ने छोड़ी नौकरी

रोडवेज की नौकरी में परिवार और ड्यूटी के बीच तालमेल बिठाना कई महिला परिचालकों के लिए मुश्किल साबित हो रहा है। कम मानदेय, लंबी व अनियमित ड्यूटी और पारिवारिक जिम्मेदारियां के चलते पिछले तीन महीने में अलीगढ़ परिक्षेत्र में नियुक्त करीब 140 महिला परिचालकों ने नौकरी छोड़ दी। स्टाफ की कमी के कारण 100 से अधिक बसें डिपो में खड़ी हैं। अलीगढ़ परिक्षेत्र में परिचालक भर्ती के लिए न्यूनतम अर्हता इंटरमीडिएट थी, लेकिन भर्ती मेलों में ग्रेजुएट से लेकर पोस्ट ग्रेजुएट तक ने नौकरी पाने के लिए आवेदन किया था। परिक्षेत्र के अलीगढ़, हाथरस, कासगंज, एटा व बुलंदशहर डिपो के लिए अप्रैल में 310 महिला परिचालकों की नियुक्ति की गई थी। लेकिन इनमें कई ने ज्वाइन नहीं किया तो कई ने ज्वाइनिंग के बाद नौकरी छोड़ दी। वर्तमान में सिर्फ 173 महिला परिचालक ही कार्यरत हैं। चालक व परिचालकों की कमी से बस संचालन प्रभावित हो रहा है। परिवहन निगम के पास 756 बसें हैं, लेकिन स्टाफ की कमी के कारण 100 से अधिक बसें डिपो में खड़ी हैं। इससे निगम को प्रतिदिन लाखों रुपये के राजस्व का नुकसान हो रहा है।

कुछ महिला परिचालकों ने बताया कि सुबह चार-पांच बजे ड्यूटी शुरू होने या देर रात ड्यूटी खत्म होने के कारण सुरक्षा और परिवार की चिंता रहती है। वहीं, आउटसोर्सिंग व्यवस्था में 12 से 15 हजार रुपये के मानदेय के मुकाबले 10-12 घंटे की ड्यूटी और टिकट बिक्री का दबाव भी कई महिलाओं को रास नहीं आया।

शादी, छोटे बच्चों की देखभाल और परिवार की जिम्मेदारियों के चलते भी कई महिला कंडक्टर नौकरी जारी नहीं रख सकीं। अधिकांश महिला कर्मचारियों का कहना है कि आस-पास तैनाती, बेहतर सुरक्षा व्यवस्था और आकर्षक वेतन जैसी सुविधाएं मिलें, तो नौकरी छोड़ने की संख्या में कमी आ सकती है।

Aligarh News: शादी से इन्कार पर किशोरी को खेत में बांधकर छोड़ने का आरोप

थाना क्षेत्र के एक गांव में 17 वर्षीय किशोरी ने एक युवक पर शादी का दबाव बनाने, भाई की हत्या की धमकी देकर घर से बाहर बुलाने और हाथ-पैर बांधकर ज्वार के खेत में छोड़ देने का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़िता ने पुलिस से सुरक्षा और आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। किशोरी के अनुसार वह जवां थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली है। पिता की मौत के बाद वह अपनी मां और भाई के साथ हरदुआगंज क्षेत्र स्थित ननिहाल में मामा के घर रह रही है। उसका आरोप है कि गांव का सैफ अली पुत्र जाबिर खां काफी समय से उस पर शादी करने का दबाव बना रहा था।

- किशोरी के बयानों से दोनों में पहले से प्रेम प्रसंग प्रतीत हो रहा है, जिसके आधार पर घटना को अपहरण न मानते हुए आरोपित पर शांतिभंग की कार्रवाई की गई है। आगे की कार्रवाई के लिए किशोरी की मां तैयार नहीं है। - अभिषेक पटेल, सीओ।

पीड़िता का कहना है कि शनिवार रात करीब साढ़े 11 बजे आरोपी ने घर के मोबाइल पर फोन कर उसे बाहर आने के लिए कहा। उसने मना किया तो आरोपी ने उसके भाई की हत्या करने की धमकी दी। भाई की सुरक्षा की चिंता में जैसे ही वह घर से बाहर निकली, आरोपी ने उसके दुपट्टे से उसके हाथ-पैर बांध दिए और पास के ज्वार के खेत में छोड़कर चला गया। किशोरी का आरोप है कि वह पूरी रात खेत में पड़ी रही। अगले दिन आरोपी ने उसके मामा को फोन कर खेत में होने की जानकारी दी और चेतावनी दी कि यदि उसकी शादी उससे नहीं कराई गई

तो वह उसके भाई की हत्या कर देगा। घटना के बाद किशोरी और उसका परिवार भय के साये में है। पीड़िता ने पुलिस से अपनी और परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा आरोपी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

सिर्फ रास्ता मांगा, जवाब में मिली गोलियां: हॉर्न बजाने पर विपिन की हत्या, आरोपियों की क्राइम कुंडली आई सामने

गाजियाबाद के लोनी क्षेत्र में रविवार देर रात बाइक के हॉर्न को लेकर हुए मामूली विवाद ने खूनी रूप ले लिया। 25 वर्षीय विपिन कुमार की गोली मारकर हत्या कर दी गई। गाजियाबाद जिले के लोनी क्षेत्र के रतिराम कॉलोनी में रविवार देर रात बाइक का हॉर्न बजाने को लेकर हुए विवाद में 25 वर्षीय विपिन कुमार की पेट में दो गोलियां मारकर हत्या कर दी गई। घटना में उनका चचेरा भाई गौरव गोली लगने से घायल हो गया। पुलिस ने आरोपी महिला और उसके ससुर को गिरफ्तार कर लिया गया है। मुख्य आरोपी की तलाश की जा रही है। वहीं, पोस्टमार्टम के बाद परिजन शव लेकर थाने के सामने बैठ गए और जाम लगा दिया। करीब 20 मिनट तक चले धरना-प्रदर्शन से यातायात थमा रहा। बाद में अधिकारियों से दो हत्यारोपियों की गिरफ्तारी की जानकारी मिलने पर परिजन शांत हुए और घर लौट गए। रतिराम कॉलोनी निवासी आजाद प्रजापति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि रविवार को उनकी नवजात बेटी का नामकरण था। समारोह खत्म होने के बाद देर रात रिश्तेदारों को उनके गंतव्य तक छोड़ने की जिम्मेदारी छोटे भाई विपिन कुमार को दी गई थी।

रात करीब 11:45 बजे विपिन रिश्तेदार जतिन को छोड़ने के लिए गए थे। रास्ते में उनका चचेरा भाई गौरव मिल गया। विपिन ने गौरव को भी बाइक पर बैठा लिया। घर से करीब 150 मीटर दूर कॉलोनी में ही रहने वाला सोनू रास्ते में दोस्तों के साथ खड़ा था। उसे हटाने के लिए विपिन ने बाइक का हॉर्न बजाया, लेकिन सोनू ने रास्ता नहीं दिया। विपिन ने बाइक निकालने की कोशिश की तो आरोपी ने मारपीट कर दी। इससे वह बाइक समेत गिर गए। दोनों भाइयों ने विरोध किया तो शोर सुनकर सोनू का पिता ब्रह्मपाल और पत्नी आशा भी मौके पर आकर विवाद करने लगे। आरोपियों ने विपिन को पीटना शुरू किया। गौरव ने उसे बचाने का प्रयास किया तो आरोपी उसे भी पीटने लगे।

इसी बीच सोनू घर से पिस्टल निकाल आया। पहले उसने गौरव पर गोली चलाई, जो उसके बाएं हाथ की अंगुली को छूती हुए निकल गई। इसके बाद उसने विपिन के पेट में दो गोलियां मार दीं और भाग निकला।

परिजन गंभीर रूप से घायल विपिन को दिल्ली के जीटीबी अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टर ने उनको मृत घोषित कर दिया। गौरव को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी मिल गई। विपिन की मौत की खबर मिलते ही घर में कोहराम मच गया। पोस्टमार्टम के बाद शाम करीब 5:40 बजे परिजन हिंदू रक्षा के प्रदेश अध्यक्ष अमित प्रजापति व कार्यकर्ताओं के साथ विपिन के शव को एंबुलेंस में लेकर लोनी बॉर्डर थाने के सामने पहुंच गए। आक्रोशित लोग वहां आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग करते हुए सड़क पर बैठ गए।

हंगामा बढ़ने पर सहायक पुलिस आयुक्त अंकुर विहार अमरदीप मौर्य ने परिजनों को दो आरोपियों की गिरफ्तारी की जानकारी दी और प्रदर्शनकारियों को समझाकर घर भेजा। इस घटनाक्रम के कारण लगे जाम से राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

आरोपी बाप-बेटे पर दर्ज हैं मुकदमे

पुलिस ने बताया कि जांच में सामने आया है कि हत्यारोपी आपराधिक प्रवृत्ति के हैं। सोनू पर वर्ष 2020 में हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज है। उसके पिता पर दिल्ली में वर्ष 2020 में हत्या का मुकदमा दर्ज है। आरोपियों का और आपराधिक रिकॉर्ड तलाशा जा रहा है। पीड़ित परिजनों ने पुलिस से हत्यारोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

होगी कठोर कार्रवाई : डीसीपी

युवक की हत्या की सूचना पर डीसीपी ग्रामीण सुरेंद्रनाथ तिवारी और एसीपी अंकुर विहार अमनदीप मौर्य मौके पर पहुंचे। उन्होंने घटनास्थल का निरीक्षण किया और परिजनों को आश्वस्त किया हत्यारोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। डीसीपी ने बताया कि शिकायत पर सोनू, उसके पिता और पत्नी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। सोनू की गिरफ्तारी के लिए टीम गठित कर दी है। जल्द ही उसको गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

शक ने उजाड़ दिया परिवार:

तीन बच्चों के साथ महिला ने खाया जहर, दो मासूम समेत तीन की मौत; एक गंभीर

उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर जिले में एक महिला ने पारिवारिक विवाद में खौफनाक कदम उठाया। तीन बच्चों को जहर खिलाने के बाद खुद भी जहर खा लिया। इस दौरान दो बच्चों व महिला की मौत हो गई।मिर्जापुर जिले के मड़िहान थाना क्षेत्र के परसौना गांव में सोमवार की देर रात पारिवारिक विवाद से आहत होकर एक महिला ने अपने तीनों बच्चों को जहर खिलाकर खुद भी जहर खा लिया। हादसे में महिला, एक पुत्र और एक बेटी की मौत हो गई, जबकि एक पुत्री की हालत गंभरी बनी हुई है, जिसका वाराणसी ट्रॉमा सेंटर में इलाज चल रहा है।

क्या है पूरा मामला

प्राप्त जानकारी के अनुसार परसौना गांव निवासी कुसुम (38 वर्ष) ने अपने बच्चों मधु (12 वर्ष), राधिका (10 वर्ष) और सत्या (8 वर्ष) को जहर देकर खुद भी खा लिया। हालत बिगड़ने पर चारों को पीएचसी मड़िहान लाया गया, जहां से हालत गंभीर देख जिला अस्पताल रेफर किया गया।इलाज के दौरान जिला अस्पताल में ही कुसुम और राधिका की मौत हो गई। जबकि मधु और सत्या की हालत गंभीर देख ट्रॉमा सेंटर वाराणसी रेफर कर दिया गया। जहां इलाज के दौरान सत्या ने भी दम तोड़ दिया। वहीं मधु की हालत गंभीर बनी हुई है।संतनगर थाना क्षेत्र के कुसुम्हा गांव निवासी कुसुम के भाई छोटू ने बताया कि बहनोई धर्मेंद्र दिल्ली में रहता है। चार दिन पहले घर आया था। कुसुम को शक था कि उसने दूसरी शादी कर ली है। इस विवाद को लेकर 12 जुलाई रविवार को मायके शीतलगढ़ में पूर्व ग्राम प्रधान के घर समझौता हुआ था कि धर्मेंद्र 13 जुलाई सोमवार को कुसुम को विदा कराकर ले जाएगा, लेकिन वह घर आकर चला गया और विदा नहीं कराया। इसी से आहत होकर कुसुम ने यह कदम उठाया।

UP: स्कॉर्पियो के उड़े परखच्चे,

बोनट और सीट आपस में चिपके; 50 मिनट चला रेस्क्यू, फिर निकलीं लाशें, कानपुर हादसा

Kanpur Scorpio Crash And Tragic Accident: महाराजपुर में हाईवे किनारे खड़े ट्रक में एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो के घुस जाने से तीन लोगों की जान चली गई और नौ अन्य घायल हो गए। हादसे के बाद पुलिस की बड़ी लापरवाही सामने आई है। आरोप है कि सिपाहियों ने रुपये लेकर ट्रक चालक को भागने दिया, जिसका वीडियो वायरल हो रहा है।कानपुर के महाराजपुर में सोमवार सुबह हुए भीषण सड़क हादसे के बाद पुलिस की बड़ी लापरवाही देखने को मिली। थाने के सिपाहियों ने घटनास्थल पर खड़े ट्रक में फंसी स्कॉर्पियो को अलग करने के लिए चालक को ही ट्रक आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी सौंप दी। इधर, चालक मौका मिलते ही ट्रक लेकर भाग खड़ा हुआ।इस पर पीआरवी ने उसका पीछा कर करीब 13 किमी दूर तिवारीपुर के पास जाकर उसे पकड़ा। इसके बाद महाराजपुर थाना पुलिस के हवाले कर दिया। वहीं, चालक के भागते ही राहगीरों ने सिपाहियों पर 50 हजार रुपये लेकर उसे छोड़ने का आरोप लगा हंगामा किया। हंगामे का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल रहा।हालांकि, संवाद न्यूज एजेंसी वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करती है। एसीपी चकेरी आशुतोष सिंह ने बताया कि वायरल वीडियो एडिटेड प्रतीत हो रहा है। वहीं, चालक के 13 किमी तक ट्रक लेकर भागने और सिपाहियों के रुपये लेकर चालक को छोड़ने की बात से भी इन्कार किया है

अधिकारी बोले- हादसे से 12 मिनट पहले नहीं खड़ा था ट्रक

सड़क हादसे के बाद हाईवे किनारे खड़े ट्रक को लेकर उठ रहे सवालों के बीच एनएचएआई ने सफाई दी है। एनएचएआई अधिकारियों का दावा है कि हादसे से महज 12 मिनट पहले उनकी पेट्रोलिंग टीम रूमा ओवरब्रिज से गुजरी थी। उस समय हाईवे किनारे कोई भी वाहन खड़ा नहीं था। अधिकारियों के मुताबिक टीम ने सुबह करीब पांच बजे एक खड़ी कार को सुरक्षित हटवाया था।

निरीक्षण में सड़क पूरी तरह खाली मिली

सुबह 5:18 बजे दोबारा निरीक्षण के दौरान भी सड़क पूरी तरह खाली मिली। हादसा इसके करीब 12 मिनट बाद सुबह लगभग 5:30 बजे हुआ। कहा कि हाईवे किनारे अवैध रूप से खड़े वाहनों को हटाने के लिए उनकी पेट्रोलिंग टीम पूरी रात सक्रिय रहती है। वहीं, मामले में नया मोड़ तब आया जब ट्रक चालक ने दावा किया कि वह सुबह चार बजे से ही वाहन सड़क किनारे खड़ा कर सो रहा था।

कार का बोनट और सीट आपस में चिपके, 50 मिनट चला रेस्क्यू

महाराजपुर में रूमा हाईवे किनारे खड़े ट्रक में घुसी स्कॉर्पियो में फंसे 12 लोगों को करीब 50 मिनट तक चले रेस्क्यू के बाद बाहर निकाला जा सका। 100 से ऊपर की रफ्तार में खड़े ट्रक के पीछे घुसी स्कॉर्पियो की छत तक उड़ गई। वहीं, कार का बोनट और सीट आपस में चिपक गईं। वाहन में बैठे 12 में से भाई-बहन और चालक की जान चली गई।

एक-एक करके सभी को बाहर निकाला

पुलिस और स्थानीय लोगों ने रस्से और गैस कटर की मदद से कार के पार्ट्स काटकर एक-एक करके सभी को बाहर निकाला। झारखंड के गांव बड़े बिगहा निवासी चट्टा कर्मचारी वकील यादव ने बताया कि उनके भाई बिरजू ने हरियाणा के सिरसा में घर बनवाया है। बेटी अनीशा कुमारी, रिया के स्कूलों की छुट्टी होने के कारण और साली सविता को एक महीने पहले छोड़ आए थे। रविवार रात करीब 11:30 बजे वह सिरसा से उन लोगों को लेकर स्कॉर्पियो से निकले थे।

Delhi Riots: 2020 के दंगों में आईबी अफसर के कत्ल की कहानी,

कैसे फंसा ताहिर हुसैन? अंकित की हत्या में छह दोषी

2020 दिल्ली दंगे मामले में एआईएमआईएम उम्मीदवार ताहिर हुसैन को कोर्ट द्वारा दोषी ठहराए जाने पर आम आदमी पार्टी ने सफाई दी है। पार्टी ने कहा कि ताहिर हुसैन का आम आदमी पार्टी से कोई संबंध नहीं है और उन्हें पांच साल पहले ही पार्टी से निलंबित किया जा चुका है।आम आदमी पार्टी (आप) के पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन समेत छह आरोपियों को अदालत ने इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) के अफसर अंकित शर्मा की हत्या में दोषी करार दिया। अंकित की हत्या 2020 में उत्तर-पूर्वी दिल्ली में भड़के दंगों के दौरान की गई थी। कड़कड़डूमा कोर्ट के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश प्रवीण सिंह ने हुसैन को आईपीसी की धारा 302 हत्या समेत कई धाराओं में दोषी ठहराया। उसे सरकारी आदेश की अवहेलना, लोगों के बीच धर्म के नाम पर शत्रुता फैलाने, दंगा और बलवा करने, घातक हथियार रखने, सामूहिक अपराध, किसी को गुप्त रूप से कैद करने के आरोपों में दोषी पाया गया। हालांकि, कोर्ट ने आपराधिक साजिश रचने और बतौर लोकसेवक अपराध करने के आरोपों से उसे बरी कर दिया।अदालत ने ताहिर हुसैन के अलावा नाजिम, कासिम, जावेद और अनस को भी दोषी करार दिया, जबकि हसीन उर्फ मुल्लाजी उर्फ सलमान, फिरोज, गुलफाम, शोएब, समीर खान और मुंतजिम उर्फ मूसा को बरी कर दिया। हुसैन, नाजिम व कासिम को छोड़ अन्य तीन अभियुक्तों को जमानत मिल गई। अदालत सभी की सजा पर बाद में फैसला सुनाएगी। हुसैन की जमानत याचिका बीते साल सितंबर में हाईकोर्ट ने खारिज कर दी थी। मामला दयालपुर पुलिस थाने में दर्ज एफआईआर से जुड़ा है। अंकित के पिता की शिकायत पर केस दर्ज हुआ था। दंगों के दौरान लापता हो जाने के बाद अंकित का शव बाद में नाले से बरामद हुआ था।

धारदार हथियारों से 51 वार

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में खुलासा हुआ था कि अंकित के शरीर पर धारदार हथियारों से 51 वार किए थे। मार्च, 2023 में ट्रायल कोर्ट ने ताहिर, हसीन, नाजिम, कासिम, समीर खान, अनस, फिरोज, जावेद, गुलफाम, शोएब आलम और मुंतजिम के खिलाफ आरोप तय किए। नाजिम पर शस्त्र अधिनियम की धारा 25 के तहत भी आरोप लगाए गए थे।

समझाने से नाराज दंगाइयों ने ले ली थी जान

वर्ष, 2020 में नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के समर्थकों और मुस्लिम समुदाय के प्रदर्शनकारियों के बीच हिंसा के बाद 24 फरवरी, 2020 को उत्तर-पूर्वी दिल्ली में सांप्रदायिक झड़पें हुईं, जिसमें 53 लोग मारे गए। कई घायल हुए थे। 25 फरवरी को अंकित शर्मा आरोपियों को शांत करने और उनसे कानून हाथ में नहीं लेने का आग्रह कर रहे थे। तभी उन्हें पकड़ लिया और उनकी हत्या करने के बाद शव नाले में फेंक दिया गया।

दोषी करार दिए जाने के बाद ताहिर हुसैन से आम आदमी पार्टी ने संबंध नकारे, कहा-2020 में निलंबित कर दिया था

2020 दिल्ली दंगे मामले में एआईएमआईएम उम्मीदवार ताहिर हुसैन को कोर्ट द्वारा दोषी ठहराए जाने पर आम आदमी पार्टी ने सफाई दी है। पार्टी ने कहा कि ताहिर हुसैन का आम आदमी पार्टी से कोई संबंध नहीं है और उन्हें पांच साल पहले ही पार्टी से निलंबित किया जा चुका है।

Explainer: तिहाड़ जेल में कैदियों को क्या खिलाया जाता है?

जानें दुनिया की किस जेल में क्या है खाने का मेन्यू

तिहाड़ जेल के खाने को लेकर विवाद के बाद एक बार फिर जेलों में कैदियों को मिलने वाले भोजन को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। ऐसे में आइए जानते हैं कि तिहाड़ जेल में कैदियों को क्या खाना मिलता है, इसके लिए क्या नियम हैं और भोजन की गुणवत्ता कैसे सुनिश्चित की जाती है? आइए विस्तार से जानते हैं।दिल्ली की तिहाड़ जेल एक बार फिर अपने खाने को लेकर चर्चा में है। इस बार विवाद की वजह बने हैं अमेरिकी नागरिक मैथ्यू एरॉन वैनडाइक, जो राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के एक आतंकी साजिश मामले में न्यायिक हिरासत में हैं। उन्होंने अदालत में याचिका देकर कहा है कि उन्हें जेल का खाना बिल्कुल सूट नहीं कर रहा है। उनका दावा है कि जेल का खाना इतना मसालेदार, तला-भुना और तेल वाला है कि वे पिछले 50 दिनों से ठीक से खाना नहीं खा पाए हैं। इसी कारण उनका वजन करीब 14 किलो तक कम हो गया है।इसी याचिका के बाद एक बार फिर सवाल उठने लगे हैं कि आखिर दिल्ली की जेलों में कैदियों को क्या खाना दिया जाता है, खाने के नियम क्या हैं और अगर किसी कैदी को स्वास्थ्य संबंधी दिक्कत हो तो उसके लिए क्या व्यवस्था है? साथ ही दूसरे देशों के जेल के खानें में क्या होता है?

क्या है पूरा मामला?

मैथ्यू एरॉन वैनडाइक ने अदालत से अनुमति मांगी है कि उन्हें जेल के अंदर अपना खाना खुद बनाने दिया जाए। उन्होंने कहा कि भारतीय जेल का नियमित खाना उनके लिए बहुत ज्यादा मसालेदार और तैलीय है, इसलिए वे उसे खा नहीं पा रहे हैं। उनकी याचिका के अनुसार वे पिछले कई हफ्तों से केवल सोया मिल्क और कुछ तरल चीजों के सहारे रह रहे हैं। उनका कहना है कि इससे उनका स्वास्थ्य तेजी से बिगड़ा है, शरीर में कमजोरी आई है, नजर कमजोर हुई है और रोग प्रतिरोधक क्षमता भी कम हुई है।उन्होंने अदालत से इंडक्शन स्टोव, बर्तन और कुछ रसोई के सामान की अनुमति मांगी है ताकि वे अपनी पसंद का साधारण खाना बना सकें। इसके साथ उन्होंने लाल मांस, चिकन, मछली, झींगा, दाल, चावल, पास्ता, नूडल्स, आलू, प्याज, बीन्स, ब्रेड, मक्खन, ऑलिव ऑयल, दूध, सोया मिल्क, सब्जियां और कुछ मसालों की भी अनुमति मांगी है। परिवार ने अदालत को बताया है कि इस पूरे खर्च का भुगतान वही करेगा।इस मामले में अदालत ने तिहाड़ जेल प्रशासन से जवाब मांगा है। एनआईए ने कहा है कि उसे इस याचिका पर अलग से जवाब दाखिल नहीं करना है। मामले की अगली सुनवाई 21 जुलाई को होगी, जबकि वैनडाइक की न्यायिक हिरासत 1 अगस्त तक बढ़ा दी गई है।

दिल्ली के जेलों में कितने कैदी बंद?

दिल्ली की जेल व्यवस्था तीन बड़े जेल परिसरों में बंटी हुई है। पहला तिहाड़ जेल परिसर है, जो दुनिया के सबसे बड़े जेल परिसरों में से एक है और इसमें 9 केंद्रीय जेलें हैं। दूसरा रोहिणी जेल परिसर और तीसरा मंडोली जेल परिसर है, जिसमें छह केंद्रीय जेलें हैं। इन तीनों परिसरों की कुल 16 जेलों की क्षमता 10,026 कैदियों की है, लेकिन फिलहाल इनमें करीब 19,500 कैदी बंद हैं। इसी भीड़ को कम करने के लिए दिल्ली सरकार ने मंडोली जेल परिसर का निर्माण किया, जिसमें छह नई केंद्रीय जेलें बनाई गईं। इसके अलावा नरेला और बापरोला में भी नई जेलें बनाने का प्रस्ताव है।

दिल्ली के जेलों में कैदियों को क्या खाना मिलता है?

दिल्ली जेल मैनुअल के मुताबिक जो कैदी अपना भोजन स्वयं नहीं जुटाता, उसे जेल प्रशासन रोज तय मानकों के अनुसार भोजन उपलब्ध कराता है। सभी कैदियों को सामान्य रूप से दिन में तीन बार भोजन दिया जाता है।

सुबह का भोजन

कुल निर्धारित अनाज का आधा हिस्सा

कुल निर्धारित दाल का आधा हिस्सा

कुल निर्धारित सब्जी का आधा हिस्सा

कुल निर्धारित तेल का आधा हिस्सा

चाय

दोपहर का भोजन

भुना या उबला हुआ चना चाय

शाम का भोजन

बचा हुआ अनाज

बची हुई दाल

बची हुई सब्जी

बचा हुआ तेल

क्या पूरे खाड़ी क्षेत्र में फैलने वाला है युद्ध?: यूएई ने दी ईरान को धमकी, सऊदी अरब पर भी हूतियों का हमला

अमेरिका और ईरान में होर्मुज को लेकर चल रही तनातनी के अब पूरे खाड़ी क्षेत्र को अपनी चपेट में ले सकती है। दरअसल तेल टैंकर पर हमले के बाद यूएई ने ईरान को जवाबी कार्रवाई की धमकी दी है। वहीं हूतियों ने भी सऊदी अरब पर मिसाइल हमला किया है।

पश्चिम एशिया में जारी तनाव लगातार बढ़ रहा है और अब हालात उस तरफ जा रहे हैं, जहां पूरे खाड़ी क्षेत्र में युद्ध बड़े पैमाने पर फैल सकता है। दरअसल ईरान ने ताजा हमले में होर्मुज में संयुक्त अरब अमीरात के टैंकरों को निशाना बनाया है। जिसमें एक भारतीय की मौत हुई है और कई अन्य लोग घायल हुए हैं। ईरान ने हमले की बात स्वीकार कर ली है। इसके बाद यूएई ने तल्ख तेवरों में ईरान को चेतावनी दे डाली है।

यूएई ने दी जवाबी कार्रवाई की धमकी

संयुक्त अरब अमीरात के रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार तड़के कहा कि ईरान ने हॉर्मुज जलडमरूमध्य में दो टैंकरों पर हमला किया, जिसमें एक नाविक की मौत हो गई और आठ अन्य घायल हो गए। ईरान ने 'मोम्बासा' और 'अल बहियाह' नामक टैंकरों पर दो क्रूज मिसाइलें दागीं। हमले के बाद दोनों टैंकरों में आग लग गई, हालांकि बाद में आग पर काबू पा लिया गया। रक्षा मंत्रालय ने कहा, 'यूएई इस बढ़ते तनाव का जवाब देने तथा अपने क्षेत्र, अपने नागरिकों और निवासियों की सुरक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने का पूरा अधिकार सुरक्षित रखता है।' मंगलवार सुबह दुबई के ऊपर लड़ाकू विमानों की आवाजें भी सुनी गईं।

हूतियों ने सऊदी अरब पर दागी मिसाइलें

अमेरिका के हमले के बाद ईरान ने कई खाड़ी देशों को निशाना बनाया है। हालांकि उसने सऊदी अरब के खिलाफ थोड़ा संयम रखा है, लेकिन अब ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब पर भी मिसाइल दाग दी है। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, यमन के हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब के अबहा एयरपोर्ट पर मिसाइल हमला किया है। हूतियों का कहना है कि सऊदी की तरफ से यमन में सना इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर हमला किया गया था और उसी के जवाब में यह मिसाइल हमला किया गया है। एक्सियोस की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका ने सऊदी अरब को सना इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर हमले का समर्थन दिया था। ऐसे में आशंका है कि अब सऊदी अरब भी कार्रवाई कर सकता है।

जॉर्डन पर भी ईरान का हमला

जॉर्डन की सेना ने कहा है कि उन्होंने ईरान की तरफ से दागी गई चार मिसाइलों को इंटरसेप्ट किया है। साथ ही ईरान ने बहरीन में भी अमेरिकी सेना की पांचवीं फ्लीट पर हमले का दावा किया है। वहीं इराक में भी मिसाइल हमले हुए हैं।

अमेरिका ने होर्मुज पर टोल वसूलने की बात कही

अमेरिका होर्मुज में मुक्त आवाजाही का समर्थक रहा है और यही वजह है कि वह ईरान के होर्मुज में टोल वसूलने का विरोध कर रहा है। दोनों देशों के बीच विवाद की ये एक बड़ी वजह है। हालांकि अब अमेरिका की रणनीति में बदलाव आता दिख रहा है। दरअसल अमेरिका ने ही होर्मुज पर टोल वसूलने की बात कही है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया की एक पोस्ट में लिखा, 'अब अमेरिका को 'हॉर्मुज जलडमरूमध्य का संरक्षक' कहा जाएगा। दुनिया के इस बेहद संवेदनशील समुद्री मार्ग की सुरक्षा सुनिश्चित करने में होने वाले सभी खर्चों की भरपाई के लिए, यहां से गुजरने वाले प्रत्येक मालवाहक जहाज के माल पर 20 प्रतिशत शुल्क लिया जाएगा। इस व्यवस्था को तत्काल लागू करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।'अमेरिकी राष्ट्रपति के इस बयान पर ईरान ने भी प्रतिक्रिया दी है। ईरान के विदेश मंत्री ने कहा है कि हॉर्मुज जलडमरूमध्य की सुरक्षा हमेशा ईरान ने की है और आगे भी करता रहेगा। उन्होंने ट्रंप की इस बात से सहमति जताई कि जो देश सुरक्षित समुद्री मार्ग उपलब्ध कराता है, उसे उसके बदले उचित भुगतान मिलना चाहिए। हालांकि उन्होंने 20 प्रतिशत शुल्क को अत्यधिक बताते हुए कहा कि '20 प्रतिशत निश्चित रूप से बहुत ज्यादा है। हम न्यायसंगत शुल्क लेंगे।'

चीन में बाढ़ का कहर: सड़क पर तैरती दिखी गाड़ियां, ट्रेन सेवाएं निलंबित, प्रशासन ने जारी किया रेड अलर्ट

चीन के हेबेई और लियाओनिंग प्रांतों में टाइफून के बाद आई भीषण बाढ़ से सड़कें पानी से भर गया है। इसके साथ ही कई गाड़िया भी बह गई हैं। प्रशासन ने रेड अलर्ट जारी कर लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने और कई सेवाएं बंद करने के आदेश दिए।

चीन के उत्तरी हेबेई प्रांत और पूर्वोत्तर लियाओनिंग प्रांत में भीषण बाढ़ के कारण सड़कें जलमग्न हो गईं और गाड़ियां बह गईं। वहीं, लोग आस-पड़ोस की सड़कों पर तैरने, पैडल बोर्डिंग करने और वेक सर्फिंग करने का आनंद लेते दिखे।

स्थानीय लोगों ने क्या बताया?

स्थानीय आधिकारिक मीडिया की ओर से प्रसारित एक निवासी के बयान के अनुसार, हेबेई के कुआनचेंग काउंटी में सड़कों पर जलस्तर दो मीटर से अधिक हो गया। कुआनचेंग में जलमग्न सड़क पर कई कारें आपस में टकराती हुई देखी गईं, जब वे ऊपर-नीचे उछल रही थीं। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबित इस साल चीन की मुख्य भूमि से टकराने वाले सबसे शक्तिशाली तूफान, टाइफून बावी के बाद बाढ़ आई।

अधिकारियों ने क्या चेतावनी दी?

अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि तूफान जिलिन, लियाओनिंग, हेबेई, शेडोंग, जियांग्सू और अनहुई प्रांतों में मूसलाधार बारिश करेगा, जिससे उन क्षेत्रों में बाढ़ का खतरा बढ़ जाएगा जो पहले की भारी बारिश से पहले ही जलमग्न हो चुके हैं।

बाढ़ के लिए रेड अलर्ट जारी

सरकारी प्रसारक सीसीटीवी की रिपोर्ट के अनुसार, कुआनचेंग में लगभग 1,800 ग्रामीण फंसे हुए हैं। वहीं, अधिकारियों ने कहा कि निवासियों को स्थानांतरित करना और पुनर्स्थापित करना उनकी प्राथमिकता है। लियाओनिंग में, अधिकारियों ने अचानक बाढ़ के लिए रेड अलर्ट जारी किया है और अत्यधिक जोखिम की चेतावनी दी है।

अधिकारियों ने क्या बताया?

हेबेई अधिकारियों ने वीचैट पर एक बयान में कहा कि भारी बारिश के लिए रेड अलर्ट जारी होने के दौरान, सभी प्रकार के काम बंद करने, व्यवसायों को बंद करने और सभाओं को पूरी तरह से लागू किया जाना चाहिए। रेडनोट (चीन में शियाओहोंग्शू के नाम से जाना जाता है) पर मौजूद वीडियो में शेनयांग, लियाओनिंग में एक व्यक्ति को सड़क पर बैकस्ट्रोक तैरते हुए दिखाया गया है।

कई ट्रेन सेवाएं भी निलंबित

वहीं, सड़क के किनारे खड़ी कारों की कतारें लगभग पूरी तरह से पानी में डूबी हुई हैं। चीन रेलवे ने सोमवार को बताया कि शेनयांग में कई ट्रेन सेवाएं भी निलंबित कर दी गईं, जिससे रेलवे के 30 से अधिक खंड प्रभावित हुए। पूर्वोत्तर प्रांत जिलिन सहित कई क्षेत्रों में स्कूल बंद कर दिए गए हैं।

होर्मुज पर बदली अमेरिका की रणनीति: पहले मना करता रहा और अब खुद वसूलेगा टोल; किसे बताया होर्मुज का गार्जियन?

हॉर्मुज जलडमरूमध्य पर 20 प्रतिशत शुल्क लगाने के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रस्ताव पर ईरान ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने कहा कि हॉर्मुज का वास्तविक संरक्षक ईरान है और 20 प्रतिशत शुल्क बहुत अधिक है। इस बीच अमेरिका ने ईरानी बंदरगाहों की समुद्री नाकेबंदी दोबारा लागू करने का एलान किया है, जिससे दोनों देशों के बीच तनाव और बढ़ गया है।

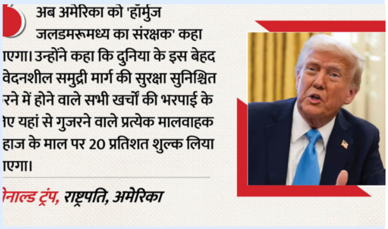

ईरान ने हॉर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले सभी मालवाहक जहाजों पर 20 प्रतिशत शुल्क लगाने की अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की योजना का तीखा जवाब दिया है। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने कहा कि हॉर्मुज जलडमरूमध्य की सुरक्षा हमेशा ईरान ने की है और आगे भी करता रहेगा। उन्होंने ट्रंप की इस बात से सहमति जताई कि जो देश सुरक्षित समुद्री मार्ग उपलब्ध कराता है, उसे उसके बदले उचित भुगतान मिलना चाहिए। हालांकि उन्होंने 20 प्रतिशत शुल्क को अत्यधिक बताते हुए कहा कि '20 प्रतिशत निश्चित रूप से बहुत ज्यादा है। हम न्यायसंगत शुल्क लेंगे।'

ट्रंप ने आखिर क्या कहा?

अराघची की यह प्रतिक्रिया ट्रंप के उस पोस्ट के बाद आई, जिसे उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर साझा किया। ट्रंप ने लिखा कि अब अमेरिका को 'हॉर्मुज जलडमरूमध्य का संरक्षक' कहा जाएगा। दुनिया के इस बेहद संवेदनशील समुद्री मार्ग की सुरक्षा सुनिश्चित करने में होने वाले सभी खर्चों की भरपाई के लिए यहां से गुजरने वाले प्रत्येक मालवाहक जहाज के माल पर 20 प्रतिशत शुल्क लिया जाएगा। ट्रंप ने यह भी कहा कि इस व्यवस्था को तत्काल लागू करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

अमेरिका ने ब्लॉकेड को लेकर क्या एलान किया?

ट्रंप ने यह भी स्पष्ट किया कि हॉर्मुज जलडमरूमध्य सभी देशों के लिए खुला रहेगा, लेकिन अमेरिका ईरान के खिलाफ अपनी समुद्री नाकेबंदी (ब्लॉकेड) दोबारा लागू कर रहा है। अमेरिकी सेना ने घोषणा की कि 14 जुलाई को भारतीय समयानुसार रात से ईरानी बंदरगाहों में आने-जाने वाले समुद्री यातायात पर फिर से नाकेबंदी लागू की जाएगी। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (CENTCOM) ने कहा कि अमेरिकी नौसैनिक बल ईरानी बंदरगाहों और तटीय क्षेत्रों की ओर जाने या वहां से आने वाले जहाजों की निगरानी करेंगे। साथ ही समुद्री जहाजों को सलाह दी गई कि वे ओमान की खाड़ी और हॉर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास यात्रा के दौरान अमेरिकी नौसेना के निर्देशों का पालन करें।

पहले भी लागू हो चुकी थी नाकेबंदी?

इससे पहले अमेरिका ने 13 अप्रैल से 18 जून तक ईरान के खिलाफ समुद्री नाकेबंदी लागू की थी। बाद में वाशिंगटन और तेहरान के बीच एक अंतरिम समझौता होने के बाद इसे हटा लिया गया था। लेकिन अब दोनों देशों के बीच बढ़ते तनाव के चलते इसे फिर से लागू करने का फैसला किया गया है।

हॉर्मुज पर दोनों देशों का दावा क्यों है?

अराघची और ट्रंप के बीच यह बयानबाजी ऐसे समय में हुई है, जब अमेरिका और ईरान लगातार दूसरे दिन भी एक-दूसरे पर हमले कर रहे हैं। दोनों ही देश हॉर्मुज जलडमरूमध्य पर अपने नियंत्रण का दावा कर रहे हैं। ईरान का कहना है कि पिछले महीने हुए अंतरिम शांति समझौते के तहत उसे जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों के यातायात को नियंत्रित करने और जरूरत पड़ने पर शुल्क लेने का अधिकार है। वहीं अमेरिका का तर्क है कि अंतरराष्ट्रीय समुद्री कानून के तहत हॉर्मुज जलडमरूमध्य में सभी देशों को निर्बाध आवाजाही का अधिकार प्राप्त है और किसी भी देश को वहां शुल्क लगाने का अधिकार नहीं है।

इतना अहम क्यों है हॉर्मुज जलडमरूमध्य?

दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों में शामिल हॉर्मुज जलडमरूमध्य से वैश्विक स्तर पर लगभग 20 प्रतिशत कच्चे तेल और तरलीकृत प्राकृतिक गैस (LNG) की आपूर्ति होती है। इसी वजह से यहां होने वाली हर सैन्य गतिविधि का असर वैश्विक ऊर्जा बाजार और अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर पड़ता है। ईरान ने 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल के हमलों के बाद इस क्षेत्र में नाकेबंदी शुरू की थी। उन हमलों में तत्कालीन सर्वोच्च नेता अली खामेनेई की मौत हो गई थी, जिसके बाद पूरे पश्चिम एशिया में संघर्ष और तेज हो गया।

क्या इस्राइल के संपर्क में थे ईरान के पूर्व राष्ट्रपति?: रिपोर्ट में दावा- सत्ता में वापसी के लिए रची थी साजिश

न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, ईरान के पूर्व राष्ट्रपति महमूद अहमदीनेजाद को कथित तौर पर आईआरजीसी ने नजरबंद कर दिया है। दावा है कि वह मोसाद के संपर्क में थे और अमेरिका-इस्राइल उन्हें दोबारा सत्ता में लाना चाहते थे। हालांकि, इन दावों की ईरान की ओर से आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। ईरान के पूर्व राष्ट्रपति महमूद अहमदीनेजाद को कथित तौर पर नजरबंद कर दिया गया है। अमेरिकी अखबार द न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट में चार ईरानी अधिकारियों के हवाले से दावा किया गया है कि इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) की खुफिया शाखा ने उन्हें हिरासत में लेकर नजरबंद किया है। रिपोर्ट के अनुसार, इस्राइल की खुफिया एजेंसी मोसाद द्वारा संचालित एक सुरक्षित ठिकाने से बाहर आने के बाद यह कार्रवाई की गई। दावा किया गया है कि इस्राइल की ओर से मौजूदा इस्लामी शासन की जगह अहमदीनेजाद को सत्ता में लाने की कथित योजना विफल होने के बाद उन्हें नजरबंद किया गया।

सार्वजनिक जीवन से अचानक क्यों गायब हो गए थे अहमदीनेजाद?

रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले सप्ताह से पहले अहमदीनेजाद 28 फरवरी को शुरू हुए 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' के दौरान उनके आवास पर हुए इस्राइली हवाई हमले के बाद सार्वजनिक रूप से नजर नहीं आए थे। द न्यूयॉर्क टाइम्स ने अमेरिकी और ईरानी अधिकारियों के हवाले से दावा किया कि हमले के बाद उन्हें एक सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया था। हालांकि, पिछले सप्ताह वह ईरान के दिवंगत सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के अंतिम संस्कार में सुरक्षा घेरे के बीच दिखाई दिए।

अमेरिका और इस्राइल उन्हें सत्ता में क्यों लाना चाहते थे?

रिपोर्ट के अनुसार, द न्यूयॉर्क टाइम्स ने मई में भी दावा किया था कि अमेरिका और इस्राइल अहमदीनेजाद को दोबारा सत्ता में लाने की संभावनाओं पर विचार कर रहे थे। अहमदीनेजाद 2005 से 2013 तक ईरान के राष्ट्रपति रहे। अपने कार्यकाल में उन्होंने खुले तौर पर होलोकॉस्ट से इनकार किया, इस्राइल के अस्तित्व को समाप्त करने की बात कही और ईरान के परमाणु कार्यक्रम को फिर से गति दी। बाद के वर्षों में उनका टकराव ईरान के मौजूदा धार्मिक नेतृत्व से बढ़ता गया और उन्हें 2017, 2021 तथा 2024 के राष्ट्रपति चुनाव लड़ने की अनुमति भी नहीं मिली।

क्या सत्ता छोड़ने के बाद उनकी विचारधारा बदल गई थी?

रिपोर्ट में फाउंडेशन फॉर डिफेंस ऑफ डेमोक्रेसीज के वरिष्ठ विश्लेषक बेहनाम बेन तालेब्लू के हवाले से कहा गया है कि सत्ता छोड़ने के बाद अहमदीनेजाद ने राष्ट्रवाद, जनवाद और इस्लामवाद का ऐसा मिश्रण तैयार किया, जिसने ईरान की मौजूदा व्यवस्था के लिए वैचारिक और सामाजिक चुनौती पैदा की। वहीं, रिपोर्ट के मुताबिक अहमदीनेजाद ने अपने करीबी लोगों से कहा था कि वह रूस के पूर्व राष्ट्रपति बोरिस येल्तसिन की तरह खुद को एक सुधारवादी नेता के रूप में देखते हैं और यदि दोबारा सत्ता में आए तो इस्राइल के साथ संबंध सामान्य करने पर भी विचार कर सकते हैं।

क्या मोसाद से गुप्त संपर्क बनाए गए थे?

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अहमदीनेजाद ने वर्ष 2023 में ग्वाटेमाला में आयोजित एक पर्यावरण सम्मेलन के दौरान पहली बार इस्राइली खुफिया एजेंसी मोसाद से संपर्क किया। बताया गया कि यात्रा से पहले उन्हें तेहरान एयरपोर्ट पर रोक दिया गया था, जिसके विरोध में उन्होंने कई घंटे धरना भी दिया। इसके बाद वर्ष 2024 में उन्हें हंगरी की लुडोविका यूनिवर्सिटी ऑफ पब्लिक सर्विस में आयोजित जलवायु परिवर्तन सम्मेलन में आमंत्रित किया गया। विश्वविद्यालय के रेक्टर गेर्गेली डेली ने दावा किया कि यह निमंत्रण हंगरी सरकार के एक अधिकारी के अनुरोध पर दिया गया था ताकि अहमदीनेजाद और इस्राइली अधिकारियों की मुलाकात हो सके।

बुडापेस्ट की बैठक में क्या हुआ था?

रिपोर्ट के अनुसार, बुडापेस्ट में हुई इस कथित बैठक में उस समय के मोसाद प्रमुख डेविड बार्निया भी मौजूद थे। अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से दावा किया गया कि इस्राइल ने अहमदीनेजाद के यात्रा और ठहरने के कुछ खर्च भी उठाए। हालांकि, उनके पूर्व सलाहकार अब्दोलरेज़ा दावरी ने इस आरोप को अलग नजरिए से देखा। उन्होंने कहा कि अहमदीनेजाद ऐसा किसी आर्थिक लाभ के लिए नहीं कर सकते थे। उनके पास पर्याप्त संसाधन और मजबूत आर्थिक नेटवर्क पहले से मौजूद है। दावरी के मुताबिक, उनका उद्देश्य केवल सत्ता में वापसी करना था और वह फिर से ईरान की सत्ता के शीर्ष पर पहुंचना चाहते थे।

मंडी गोबिंदगढ़ में बेअदबी के आरोपी की हत्या, घर में घुसकर तलवार से किया सिर धड़ से अलग

पंजाब के मंडी गोबिंदगढ़ के गांव तुरां में सोमवार देर रात सनसनीखेज वारदात सामने आई। वर्ष 2020 में श्री गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी के मामले में आरोपी रहे 45 वर्षीय मेवा सिंह की अज्ञात हमलावर ने घर में घुसकर धारदार हथियार से हत्या कर दी। हमले में उनका सिर धड़ से अलग हो गया और उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार घटना रात करीब 2 बजे हुई, जब हमलावर दीवार फांदकर घर में दाखिल हुआ और मेवा सिंह पर ताबड़तोड़ वार किए। मेवा सिंह बेअदबी मामले में जमानत पर बाहर था और मुकदमे की सुनवाई अभी जारी थी।

सूचना मिलते ही पुलिस और वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस हमलावर की पहचान, हत्या के कारण और सभी पहलुओं की गहन जांच कर रही है।

घटना की सूचना मिलते ही थाना मंडी गोबिंदगढ़ पुलिस, डीएसपी विक्रमजीत सिंह समेत वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि हत्या के पीछे की वजह, हमलावर की पहचान और मामले से जुड़े सभी पहलुओं की गहन जांच की जा रही है। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार करने का दावा किया गया है।

Cyber Attack: भारत के वित्तीय क्षेत्र में 29 लाख साइबर हमले, चार साल में दोगुना से अधिक वृद्धि

डिजिटल थ्रेट रिपोर्ट 2025-26 के अनुसार भारत के बैंकिंग, बीमा, भुगतान और अन्य वित्तीय संस्थानों पर साइबर हमलों की संख्या पिछले चार वर्षों में तेजी से बढ़ी है। रिपोर्ट में बताया गया है कि देश का वित्तीय क्षेत्र वैश्विक औसत की तुलना में अधिक हमलों का सामना कर रहा है और किसी सेंधमारी का पता लगाने तथा उसे पूरी तरह नियंत्रित करने में कई महीने लग जाते हैं।भारत के बैंकिंग, वित्तीय सेवाओं, बीमा और भुगतान क्षेत्र के सामने साइबर हमले के रूप में बड़ा संकट खड़ा हो गया है। चिंता की बात यह है कि भारत के वित्तीय क्षेत्र पर होने वाले साइबर हमले वैश्विक औसत की तुलना में 1.6 गुना अधिक हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, किसी वित्तीय संस्थान में डाटा लीक या सेंधमारी को पहचानने और उसे पूरी तरह रोकने में औसतन 263 दिन लग रहे हैं।सर्विस अकाउंट्स, मशीन क्रेडेंशियल्स और एपीआई कीज की पूरी इन्वेंट्री तैयार की जानी चाहिए, क्योंकि हैकर्स अब इन्सानों के बजाय इन मशीन आईडी को निशाना बना रहे हैं।रियल-टाइम पेमेंट गेटवे और मोबाइल वॉलेट्स के लिए एडवर्सरियल बिजनेस लॉजिक टेस्टिंग को अनिवार्य रूप से लागू किया जाए। क्रेडिट, फ्रॉड डिटेक्शन और केवाईसी प्रणालियों में एआई मॉडल तैनात करने से पहले उसकी मजबूती की जांच हो।

इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारतीय कंप्यूटर आपातकालीन प्रतिक्रिया दल (सीईआरटी-इन), वित्त क्षेत्र की कंप्यूटर सुरक्षा घटना प्रतिक्रिया दल (सीएसआईआरटी-फिन) और साइबर सुरक्षा कंपनी एसआईएसए की संयुक्त रिपोर्ट डिजिटल थ्रेट रिपोर्ट 2025-26 के मुताबिक, भारत के वित्तीय क्षेत्र में 2025 में 29 लाख साइबर हमले हुए, जबकि 2021 में 14 लाख घटनाएं दर्ज की गई थीं। इस प्रकार, पिछले चार साल में घरेलू वित्तीय क्षेत्र में साइबर हमले की घटनाओं में दोगुना से अधिक की बढ़ोतरी दर्ज की गई। कमजोर डिजाइन : इसमें सिस्टम को केवल सामान्य रूप से सही काम करने के लिए बनाया जाता है, हैकर्स और साइबर अपराधियों के नजरिये से नहीं। जैसे इंटरनल ईमेल रिले या ओटीपी टोकन को आंख बंद करके सही मान लेना।रीयल-टाइम नियम लागू करने की कमी : सुरक्षा नियम कागजों पर होते हैं, लेकिन रीयल-टाइम में काम नहीं करते। एक बार यूजर लॉगिन हो गया, तो उसके बाद पूरे सेशन में दोबारा सुरक्षा जांच नहीं की जाती।

कमजोर संकेत : बैंकिंग एप्स के एपीआई और अन्य लॉग्स आपस में जुड़े नहीं होते, जिससे हैकर्स की ओर से किए जा रहे शुरुआती संदिग्ध व्यवहार को सुरक्षा टीमें समय पर पहचान नहीं पातीं।

कमजोर प्रतिक्रिया : साइबर हमले की स्थिति में सिस्टम के पास उसे रीयल-टाइम में रोकने का कोई ऑटोमैटिक जरिया नहीं होता, कार्रवाई पूरी तरह मैनुअल होती है।

Gold Silver Price: सोना 1500 रुपये टूटा, 1.47 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम; चांदी 2000 रुपये फिसली

पश्चिम एशिया में बढ़ती अनिश्चितताओं के कारण दिल्ली में सोने की कीमतों में 1,500 रुपये की गिरावट आई, जिससे यह 1.47 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। चांदी भी 2,000 रुपये गिरकर 2.35 लाख रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और मुद्रास्फीति की चिंताएं इस गिरावट का मुख्य कारण हैं। देश की राजधानी दिल्ली में सोमवार को सोने की कीमतों में 1,500 रुपये की गिरावट दर्ज की गई। पश्चिम एशिया में बढ़ती अनिश्चितता के कारण यह 1.47 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया। चांदी भी 2,000 रुपये गिरकर 2.35 लाख रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई।स्थानीय बाजार के व्यापारियों के अनुसार, 99.9 फीसदी शुद्धता वाला सोना 1,500 रुपये घटकर 1,47,000 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) हो गया। शुक्रवार को यह 1,48,500 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी भी 2,000 रुपये की गिरावट के साथ 2,35,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) पर आ गई। पिछले सत्र में सफेद धातु 2,37,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी।व्यापारियों ने बताया कि पश्चिम एशिया में नए सिरे से तनाव बढ़ने से कच्चे तेल की कीमतें बढ़ गई हैं। इससे मुद्रास्फीति की चिंताएं बढ़ी हैं और अमेरिकी डॉलर मजबूत हुआ है। इन सभी कारकों ने कीमती धातुओं पर दबाव डाला है।

व्यापारियों ने बताया कि पश्चिम एशिया में नए सिरे से तनाव बढ़ने से कच्चे तेल की कीमतें बढ़ गई हैं। इससे मुद्रास्फीति की चिंताएं बढ़ी हैं और अमेरिकी डॉलर मजबूत हुआ है। इन सभी कारकों ने कीमती धातुओं पर दबाव डाला है। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के कमोडिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक सौमिल गांधी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कमजोरी के कारण सोमवार को सोने की कीमतों में गिरावट आई।सौमिल गांधी ने कहा कि अमेरिका और ईरान के बीच हालिया तनाव बढ़ने से वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति में व्यवधान की चिंताएं बढ़ी हैं। इससे तीसरी तिमाही में तेल बाजार की स्थितियां और सख्त होने की आशंका है। मीराए एसेट शेयरखान के कमोडिटीज के प्रमुख प्रवीण सिंह ने बताया कि कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि से मुद्रास्फीति की चिंताएं बढ़ी हैं। इससे फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों को लंबे समय तक ऊंचा रखने की उम्मीदें भी बढ़ी हैं।

India-EU Ties: भारत-ईयू FTA अंतिम चरण में, पीयूष गोयल बोले- समझौते से व्यापार और निवेश को मिलेगी नई रफ्तार

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि भारत-यूरोपियन यूनियन मुक्त व्यापार समझौता अगले कुछ महीनों में लागू हो जाएगा। यह समझौता भारत और स्पेन के बीच व्यापार, निवेश, तकनीक और रक्षा के क्षेत्रों में आर्थिक सहयोग के केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को स्पेन के मैड्रिड में भारत-स्पेन बिजनेस फोरम को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा, भारत और यूरोपियन यूनियन (EU) के बीच मुक्त व्यापार समझौता (FTA) अगले कुछ महीनों में लागू होने की उम्मीद है। यह समझौता भारत और स्पेन के बीच आर्थिक सहयोग के एक नए युग की शुरुआत करेगा। उन्होंने द्विपक्षीय साझेदारी को एक ऐसी सफलता की कहानी बताया जिसे लिखा जाना बाकी है।**समझौते की समय-सीमा और कानूनी प्रक्रिया**

पीयूष गोयल ने बताया कि इस साल जनवरी में भारत-ईयू एफटीए को अंतिम रूप दिया गया था। अब इसके कानूनी दस्तावेजों की जांच (लीगल स्क्रबिंग) आखिरी चरण में है, जो अगले एक या दो हफ्तों में पूरी हो जाएगी। यह समझौता भारत-यूके एफटीए के लागू होने के कुछ महीनों बाद चालू हो जाएगा। भारत-यूके एफटीए परसों से लागू होने जा रहा है। उम्मीद है कि साल 2026 की पहली तिमाही में यह समझौता पूरी तरह लागू हो जाएगा, जो यूरोपियन यूनियन में सबसे तेजी से स्वीकृत होने वाला समझौता होगा।

वाणिज्य मंत्री ने इस समझौते के राजनीतिक महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यूरोपियन यूनियन के सभी 27 सदस्य देशों ने बिना किसी विरोध के इसका समर्थन किया है। इसी तरह भारत में भी इस समझौते को लेकर कोई असंतोष नहीं है। यह समझौता दुनिया के दो सबसे बड़े आर्थिक ब्लॉकों को एक साथ लाएगा, जो वैश्विक व्यापार और वैश्विक अर्थव्यवस्था का लगभग 30 प्रतिशत हिस्सा हैं। इससे व्यापार, निवेश, संस्कृति, शिक्षा, पर्यटन, तकनीक, अंतरिक्ष और रक्षा जैसे क्षेत्रों में बड़े अवसर पैदा होंगे।

खुदरा महंगाई दर जून में उछलकर 4.38 फीसदी पर पहुंची, जानिए क्या आपकी जेब पर भी पड़ेगा असर

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, जून में खुदरा महंगाई दर बढ़कर 4.38 फीसदी हो गई है, जो मई में 3.93 फीसदी थी। खाद्य पदार्थों की कीमतें बढ़ने से यह वृद्धि हुई है। भारतीय रिजर्व बैंक के लिए चार फीसदी की लक्ष्य सीमा बनाए रखना एक चुनौती हो सकती है। जानें इसका आपकी रोजमर्रा की जिंदगी पर क्या प्रभाव पड़ेगा।सरकार की ओर से सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, जून में खुदरा महंगाई दर में वृद्धि दर्ज की गई

महंगाई में यह उछाल क्यों आया है?

जून में खुदरा महंगाई दर में वृद्धि का मुख्य कारण खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमतें हैं। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित खाद्य महंगाई जून में 5.32 फीसदी रही। यह मई में दर्ज की गई 4.78 फीसदी की तुलना में अधिक है। खाद्य वस्तुओं की कीमतों में लगातार वृद्धि उपभोक्ताओं के लिए चिंता का विषय बन गई है।सरकार ने भारतीय रिजर्व बैंक को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि मुख्य महंगाई दर 4 फीसदी पर बनी रहे। इसमें दो फीसदी ऊपर या नीचे का मार्जिन रखा गया है। जून में 4.38 फीसदी की महंगाई दर इस लक्ष्य सीमा के भीतर तो है, लेकिन यह 4 फीसदी के करीब पहुंच गई है। खाद्य महंगाई में वृद्धि के कारण भारतीय रिजर्व बैंक पर महंगाई को नियंत्रित करने का दबाव बढ़ सकता है।

RBI का बड़ा निर्देश: ग्राहकों की शिकायतें अब होंगी तुरंत हल वित्तीय संस्थाओं के लोकपालों को मिला नया मंत्र

आंतरिक लोकपाल क्यों महत्वपूर्ण हैं

आंतरिक लोकपाल किसी विनियमित संस्था के भीतर ग्राहक शिकायतों की समीक्षा का अंतिम स्वतंत्र स्तर होता है। यह तब काम आता है जब ग्राहक की शिकायत पूरी तरह से हल नहीं होती है। ग्राहक के आरबीआई लोकपाल या किसी अन्य बाहरी मंच से संपर्क करने से पहले यह व्यवस्था काम करती है। यह तंत्र ग्राहकों को त्वरित न्याय दिलाने में मदद करता है।इस सम्मेलन में बैंकों, गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों और क्रेडिट सूचना कंपनियों सहित विभिन्न विनियमित संस्थाओं के आंतरिक लोकपाल शामिल हुए। इनके साथ प्रबंध निदेशक, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, ग्राहक सेवा के प्रभारी कार्यकारी निदेशक और प्रधान नोडल अधिकारी भी मौजूद थे। आरबीआई लोकपाल और वरिष्ठ अधिकारी भी इस महत्वपूर्ण बैठक का हिस्सा थे। आरबीआई ने एक बयान में यह जानकारी दी सम्मेलन के सत्रों में शिकायत निवारण के हालिया विकास पर चर्चा हुई। इसमें नियामक उम्मीदें और आरबीआई लोकपाल की अंतर्दृष्टि शामिल थी। इसका मुख्य ध्यान तेज, उच्च-गुणवत्ता वाले समाधानों पर था। साथ ही, अनावश्यक शिकायतों को रोकने के लिए प्रणालीगत सुधारों पर भी जोर दिया गया। आरबीआई की कार्यकारी निदेशक सोनाली सेन गुप्ता ने प्रतिभागियों के साथ बातचीत की। उन्होंने आंतरिक लोकपाल ढांचे की प्रभावशीलता को और बढ़ाने पर विचार-विमर्श किया।

आरबीआई के डिप्टी गवर्नर स्वामीनाथन जे ने बैंकों और वित्तीय संस्थाओं के आंतरिक लोकपालों को ग्राहकों की शिकायतों का प्रभावी समाधान करने का निर्देश दिया। तीसरे वार्षिक सम्मेलन में उन्होंने बार-बार आने वाले मुद्दों की पहचान करने और सुधारात्मक उपाय लागू करने पर जोर दिया।भारतीय रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर स्वामीनाथन जे ने सोमवार को बैंकों, गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों और अन्य विनियमित संस्थाओं के आंतरिक लोकपालों को ग्राहकों की शिकायतों का सार्थक, निष्पक्ष और प्रभावी समाधान प्रदान करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि आंतरिक लोकपालों को बार-बार आने वाले मुद्दों की पहचान करनी चाहिए।डिप्टी गवर्नर ने मूल कारण विश्लेषण करने और सुधारात्मक उपाय लागू करने में मदद करने के लिए भी कहा। उन्होंने भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा आयोजित आंतरिक लोकपालों के तीसरे वार्षिक सम्मेलन को संबोधित किया। एक प्रभावी आंतरिक लोकपाल तंत्र बाहरी शिकायतों को कम करेगा। उन्होंने बोर्डों और वरिष्ठ प्रबंधन से आंतरिक लोकपाल तंत्र को सशक्त बनाने का आग्रह किया।

Biz Updates: भारत और अमेरिका व्यापार समझौते में कोई चुनौती नहीं तय समय पर होंगे हस्ताक्षर

वाणिज्य मंत्रालय ने सोमवार को स्पष्ट किया कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर कोई चुनौती नहीं है। दोनों देशों तय समय पर इस समझौते पर हस्ताक्षर करेंगे। वाणिज्य मंत्रालय के सचिव राजेश अग्रवाल ने कहा कि अनुच्छेद 301 के तहत चल रही जांच अभी जारी है। भारत ने अमेरिकी एजेंसियों को अपना जवाब सौंप दिया है। अग्रवाल ने कहा, अनुच्छेद 301 व्यापार समझौते से अलग है, लेकिन व्यापार संबंधों को देखते समय हम सभी मुद्दों पर समग्र दृष्टिकोण अपनाते हैं। जब दोनों देश समझौते पर हस्ताक्षर करेंगे, तब उसकी दीर्घकालिक स्थिरता का भी ध्यान रखा जाएगा। अमेरिका की ओर से भारतीय वस्तुओं पर लगाए गए 10% शुल्क के बारे में पूछे जाने पर अग्रवाल ने कहा, वर्तमान मोस्ट फेवर्ड नेशन शुल्क व्यवस्था अभी लागू है। 10% शुल्क की अवधि 24 जुलाई को समाप्त होने वाली है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत और ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) 15 जुलाई से लागू हो जाएगा। इसके बाद भारत से ब्रिटेन भेजे जाने वाले सामान पर आयात शुल्क नहीं लगेगा। यह समझौता भारतीय कारोबारियों और निर्यातकों के लिए नए अवसर लेकर आएगा। गोयल ने बताया, इसी दिन डबल कंट्रीब्यूशन कन्वेंशन एग्रीमेंट भी लागू होगा, जिससे ब्रिटेन में भारतीय पेशेवरों को बड़ा लाभ मिलेगा। पहले ब्रिटेन में पांच साल तक काम करने वाले भारतीय कर्मचारियों के वेतन का 25% सामाजिक सुरक्षा अंशदान में जाता था, लेकिन उसका लाभ उन्हें नहीं मिल पाता था। अब यह राशि भारत में उनके भविष्य निधि (पीएफ) खाते में जमा होगी। व्यापार और महत्वपूर्ण खनिज, स्वच्छ तकनीक, कृषि और दवाओं सहित कई क्षेत्रों में सहयोग पर चर्चा की। कनाडा भारत के लिए पोटाश, दालों और ऊर्जा का एक प्रमुख स्रोत है, जबकि भारत कनाडा को दवाएं, कपड़ा, इंजीनियरिंग सामान और आईटी सेवाओं का निर्यात करता है। हालांकि तीसरे दौर में बनी सहमति के विवरण का खुलासा नहीं किया गया था, लेकिन यह बयान इस साल के अंत में मंत्री-स्तरीय जुड़ाव से पहले तकनीकी बारीकियों को सुलझाने में तेजी का संकेत देता है।

Exclusive : तुम्बाड 2' में आलिया भट्ट की एंट्री बोलीं इस दुनिया का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद खास

Alia Bhatt Joins Movie Tumbbad 2 Exclusive Interview: बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट फिल्म 'तुम्बाड 2' का हिस्सा बन गई हैं। मेकर्स ने इसकी आधिकारिक घोषणा की है। फिल्म में आलिया एक अहम किरदार निभाएंगी। इससे पहले नवाजुद्दीन सिद्दीकी के फिल्म से जुड़ने का ऐलान किया गया था। फिल्म 'तुम्बाड 2' में शामिल होने के बाद आलिया भट्ट ने अमर उजाला डिजिटल से खास बातचीत की। फिल्म में अपने किरदार को लेकर बड़ी जानकारी दी। जानिए, फिल्म को लेकर आलिया ने क्या-क्या कहा?

तुम्बाड' की दुनिया का हिस्सा बनना मेरे लिए खास

फिल्म से जुड़ने पर आलिया भट्ट ने कहा, 'पहली बार 'तुम्बाड' देखने के बाद से यह फिल्म मेरे जेहन में बसी हुई है। बहुत कम फिल्में ऐसी दुनिया रच पाती हैं, जो आपको पूरी तरह अपने भीतर खींच लें। उससे भी कम फिल्में ऐसी होती हैं, जो रिलीज के कई साल बाद भी लोगों के दिलों और दिमाग में बनी रहती हैं। ऐसे में उस दुनिया का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद खास है।' उन्होंने आगे कहा, 'मैं सोहम शाह और नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ काम करने को लेकर बहुत उत्साहित हूं। लंबे समय से मैं इन दोनों कलाकारों की प्रशंसक रही हूं और ऐसे किरदार का इंतजार कर रही थी, जो 'तुम्बाड' जैसी रहस्यमयी और यादगार कहानी का हिस्सा हो। मैं बेसब्री से उस दिन का इंतजार कर रही हूं, जब दर्शक देखेंगे कि हम सबने मिलकर क्या बनाया है।'

पहली बार साथ दिखेंगे तीनों कलाकार

'तुम्बाड 2' में आलिया भट्ट पहली बार सोहम शाह और नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी। अभिनेता और निर्माता सोहम शाह ने कहा कि आलिया का फिल्म से जुड़ना टीम के लिए खुशी की बात है और दर्शकों को उनका नया अंदाज देखने को मिलेगा। निर्माता डॉ. जयंतीलाल गडा ने बताया कि 'गंगूबाई काठियावाड़ी' और 'आरआरआर' के बाद आलिया के साथ यह उनका तीसरा प्रोजेक्ट है।

3 दिसंबर 2027 को होगी रिलीज

'तुम्बाड 2' का निर्माण सोहम शाह फिल्म्स और पेन स्टूडियोज मिलकर कर रहे हैं। फिल्म का निर्देशन आदेश प्रसाद कर रहे हैं। यह फिल्म 3 दिसंबर 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

वेकेशन के बाद मुंबई लौटे ऋतिक रोशन

दोनों बेटों के साथ नजर आईं गर्लफ्रेंड सबा आजाद

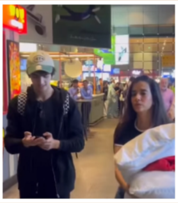

Hrithik Roshan Viral Video: ऋतिक रोशन हाल ही में अपनी गर्लफ्रेंड सबा आजाद और दोनों बेटों के साथ फैमिली आउटिंग पर विदेश गए थे। लेकिन वह अब मुंबई लौट आए हैं। बॉलीवुड सुपरस्टार ऋतिक रोशन अपनी गर्लफ्रेंड सबा आजाद और अपने दोनों बेटों के साथ छुट्टियां बिताकर मुंबई वापस लौट आए हैं। मंगलवार सुबह उन्हें मुंबई एयरपोर्ट पर देखा गया, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है।

ऋतिक का एयरपोर्ट लुक

ऋतिक रोशन एयरपोर्ट पर काले रंग के कैजुअल कपड़ों, सफेद टी-शर्ट, काली टोपी और स्नीकर्स पहने हुए बेहद सिंपल लुक में नजर आए। इस दौरान ऋतिक के साथ उनकी गर्लफ्रेंड सबा आजाद और उनके दोनों बेटे भी थे। सबा के हाथ में सफर का कुछ सामान और तकिया था। सबा का ऋतिक के दोनों बेटों के साथ बहुत अच्छा रिश्ता है और वे अक्सर साथ में छुट्टियां मनाने जाते हैं। ऋतिक रोशन की शादी पहले दिग्गज अभिनेता और निर्माता संजय खान की बेटी सुजैन खान से हुई थी। साल 2014 में दोनों का तलाक हो गया था, लेकिन अपने बच्चों की अच्छी परवरिश के लिए दोनों आज भी बहुत अच्छे दोस्त हैं। सुजैन खान इस समय अभिनेता अरसलान गोनी को डेट कर रही हैं। खास बात यह है कि ऋतिक-सबा और सुजैन-अरसलान के बीच बहुत दोस्ती है और ये सभी अक्सर एक साथ भी छुट्टियां बिताते हैं। ऋतिक रोशन को हाल ही में फिल्म 'अल्फा' में एक कैमियो में देखा गया था। वहीं, सबा आजाद हाल ही में बॉबी देओल की फिल्म 'बंदर' में नजर आई थीं। ऋतिक जल्द ही अपनी फिल्म 'कृष 4' में नजर आएंगे। ऋतिक इस फिल्म में अभिनय के साथ ही इसका निर्देशन भी करेंगे। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होते ही फैंस इस खूबसूरत बॉन्डिंग की जमकर तारीफ कर रहे हैं। गौरतलब है कि ऋतिक और सबा काफी समय से रिलेशनशिप में हैं और दोनों अक्सर फैमिली गेट-टुगेदर और वैकेशन्स पर साथ नजर आते हैं। जो ट्रैवल पिलो और अन्य जरूरी सामान थामे हुए थीं।

'हम आपके आभारी हैं' निर्देशक बुची बाबू सना ने ओटीटी पर 'पेद्दी' की आलोचना के बावजूद दर्शकों का जताया आभार

Buchi Babu Sana: 'पेद्दी' के निर्देशक बुची बाबू सना ने फिल्म की सफलता के लिए फैंस का आभार जताया। हालांकि, फिल्म को ओटीटी पर रिलीज के बाद फिर आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। जानिए निर्देशक ने फिल्म को लेकर क्या कुछ कहा राम चरण और जाह्नवी कपूर की फिल्म 'पेद्दी' थिएटर्स में रिलीज होने के कुछ दिनों बाद भी चर्चा में बनी हुई है। बुची बाबू सना के डायरेक्शन में बनी यह स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म 4 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई और साउथ इंडिया में उस साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई। हालांकि, इसके ओटीटी पर रिलीज होने के बाद फिर से विवाद खड़ा हो गया है। दर्शक जाह्नवी कपूर के किरदार को दिखाए जाने के तरीके और कुछ डायलॉग्स व सीन्स की आलोचना कर रहे हैं, जिन्हें वे आपत्तिजनक मानते हैं। सोशल मीडिया पर बढ़ते विरोध के बीच डायरेक्टर बुची बाबू सना ने अपनी चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने 'पेद्दी' को ब्लॉकबस्टर बनाने के लिए दर्शकों का शुक्रिया अदा किया और इसके डिजिटल प्रीमियर के बारे में भी बात की। 'पेद्दी' की ओटीटी रिलीज को लेकर हो रही आलोचना के बावजूद डायरेक्टर बुची बाबू सना ने एक्स पर एक नोट लिखकर उन दर्शकों का आभार जताया, जिन्होंने थिएटर्स में फिल्म को सपोर्ट किया। फिल्ममेकर ने एक दिल को छू लेने वाला नोट शेयर किया और फैंस का शुक्रिया अदा किया।

अब मैं एसेक्सुअल हूं' आकांक्षा चमोला का बड़ा खुलासा कहा- मुझे किसी के साथ इंटिमेट नहीं होना

Akanksha Chamola: आकांक्षा चमोला लॉक अप: सच या सजा में जाकर लगातार सुर्खियों में हैं। अब आकांक्षा ने अपने बारे में नया दावा किया है। जानिए उन्होंने क्या कहा

लॉक अप 2 के हालिया एपिसोड में आकांक्षा चमोला ने एक बड़ा दावा किया। कुछ दिन पहले ही उन्होंने खुद को बाईसेक्सुअल बताया था। अब उन्होंने दावा किया है कि वह एसेक्सुअल हैं। वरुण यादव से बात करते हुए आकांक्षा ने कहा कि गौरव खन्ना से तलाक के बाद वह दोबारा शादी नहीं करना चाहतीं और उन्हें किसी के साथ यौन संबंध बनाने की इच्छा नहीं होती। हिंदुस्तान टाइम्स के अनुसार, आकांक्षा ने कहा, 'मुझे डर बैठ गया है। कामुकता बदलती रहती है। आप के फेज के ऊपर होता है। मेरा अभी तलाक हो रहा है। मुझे अभी किसी के साथ संबंध नहीं बनाने। लड़कियों के साथ भी नहीं चाहिए, आदमियों के साथ भी नहीं चाहिए। मेरा अलग फेज चल रहा है, इसे एसेक्सुअल कहा जाता है।' ऐसे समाज में जहां लोग सोचते हैं कि लड़कियां हमेशा एक-दूसरे से मुकाबला करती हैं और जलती हैं, मैं इससे सहमत नहीं हूं। मुझे लगता है कि इस गेम में पहले दिन से सिर्फ मेरा ही पर्दाफाश हो रहा है।' मैंने खुद कभी उन्हें नहीं बताया कि मैं बाइसेक्शुअल हूं, लेकिन यह मेरे सीक्रेट्स में से एक है। शादी से पहले मैं बाइसेक्शुअल थी। लड़कियों के साथ मेरे कुछ रिश्ते रहे हैं। हालांकि उनमें कोई इंटिमेसी नहीं थी

Kim Kardashian: किम कार्दशियन ने लुईस हैमिल्टन संग रिश्ते पर लगाई मुहर रोमांटिक अंदाज में पोस्ट की तस्वीर

Kim Kardashian And Lewis Hamilton Relationship: हॉलीवुड सेलिब्रिटी किम कार्दशियन सिंगर कान्ये वेस्ट से तलाक के बाद लुईस हैमिल्टन के साथ नजदीकियों को लेकर काफी समय से चर्चा में हैं। हाल ही में लुईस के साथ किम ने सोशल मीडिया पर तस्वीरें साझा कीं, साथ ही एक खास मैसेज भी लिखा। इससे लगता है कि उन्होंने अपने रिश्ते पर मुहर लगा दी। मशहूर हॉलीवुड सेलिब्रिटी किम कार्दशियन और फॉर्मूला वन चैंपियन लुईस हैमिल्टन के रिलेशनशिप में होने की अटकलें काफी समय से लग रही थीं। दोनों को अक्सर साथ देखा जाता था। सोमवार देर रात किम कार्दशियन ने इंस्टाग्राम पर फैमिली, फ्रेंड्स के साथ कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें लुईस हैमिल्टन भी नजर आए। इन तस्वीरों को देखकर फैंस ने भी रिएक्शन दिए हैं। किम कार्दशियन ने लुईस के साथ जो तस्वीर पोस्ट की है, उसमें इनकी नजदीकियां साफ नजर आ रही हैं।

दोनों किसी कपल की तरह फोटो क्लिक करवा रहे हैं। साथ में किम का छोटा बेटा भी नजर आ रहा है। आगे तस्वीरों में किम के दोस्त हैं, जो उनके साथ गेट-टुगेदर को एंज्वॉय कर रहे हैं। किम कार्दशियन के फैंस ने जब लुईस के साथ उनकी तस्वीर इंस्टाग्राम पर देखी तो जमकर रिएक्शन दिए। कई फैंस ने क्यूट फैमिली जैसे कमेंट लिखे।

अक्षय कुमार की फिल्म में मोटी होने के कारण मिला रोल अंजलि आनंद ने बताई इंडस्ट्री की सच्चाई

Anjali Anand: अंजलि आनंद ने इंडस्ट्री की सोच के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि प्लस साइज लोगों को लेकर क्या है बॉलीवुड की सोच अभिनेत्री अंजलि आनंद इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'धमाल 4' को लेकर चर्चाओं में हैं। इस बीच हाल ही में एक्ट्रेस ने बताया कि कैसे फिल्मों में प्लस-साइज एक्टर्स को अक्सर सिर्फ कॉमेडी करने या स्टीरियोटाइप को दिखाने के लिए कास्ट किया जाता है। उन्होंने कहा कि उन्हें अक्षय कुमार की फिल्म 'बेल बॉटम' में इसलिए कास्ट किया गया था क्योंकि वह मोटी हैं और ताकि एक टेररिस्ट उन पर गिर सके। उन्होंने कहा कि जब लोग इन चीजों का मजाक उड़ाते हैं तो उन्हें बुरा लगता है। स्क्रीन के साथ बातचीत में अंजलि आनंद ने अक्षय कुमार की फिल्म को लेकर कहा कि मैं 'बेल बॉटम' में सिर्फ इसलिए थी ताकि एक टेररिस्ट मुझ पर गिर सके और फिल्म में पकड़ा जा सके। मुझे ऐसे रोल इसलिए मिलते हैं क्योंकि मैं मोटी हूं। जब लोग सिर्फ इसका मजाक उड़ाने की कोशिश करते हैं तो बुरा लगता है। वे यह भी नहीं देखते कि मैं अच्छी एक्टर हूं या नहीं। वे बस मेरे शरीर को देखकर मुझे जज करते हैं। लेकिन उनके लिए तो दीपिका पादुकोण और ऐश्वर्या राय भी काफी नहीं हैं।

Tum Bin: जॉन अब्राहम हुए रिजेक्ट जगजीत सिंह से हुआ विवाद 'लगान' और 'गदर' के बीच कैसा रहा 'तुम बिन' का हाल?

25 years of Tum Bin: फिल्म 'तुम बिन' की रिलीज को आज 25 साल पूरे हो चुके हैं। इस फिल्म से ना सिर्फ निर्देशक अनुभव सिन्हा ने डेब्यू किया था बल्कि फिल्म में मौजूद चारों मुख्य कलाकार भी नए थे। सिनेमाघरों में यह फिल्म तब रिलीज हुई थी जब दर्शक 'लगान' और 'गदर' जैसी फिल्मों को हाउसफुल बना रहे थे। आज इस फिल्म के 25 साल पूरे होने पर जानिए इससे जुड़ी कुछ खास बातें 13 जुलाई 2001 में फिल्म 'तुम बिन' जब रिलीज हुई थी तब किसी ने नहीं सोचा था कि यह फिल्म एक दिन कल्ट रोमांटिक फिल्मों की श्रेणी में गिनी जाएगी पर गुजरते वक्त के साथ दर्शकों ने इस फिल्म की खूब कद्र की। जब यह फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज हुई तब मल्टीस्टारर, बड़े स्टार वाली और एक्शन फिल्मों का दौर था। मगर दर्शकों और खासकर युवाओं के मन में कहीं न कहीं एक अच्छी रोमांटिक कहानी देखने की इच्छा दबी थी। ऐसे दौर में रिलीज हुई 'तुम बिन', जिसका ना तो कोई नामचीन निर्देशक था और ना ही मशहूर स्टार कास्ट, बस थी तो सिर्फ दिल से लिखी एक कहानी जो सबके दिल को छू गई। आज फिल्म के 25 साल पूरे होने पर जानिए इससे जुड़ी कुछ खास बातेंफिल्म 'तुम बिन' कई मायनों में खास थी। फिल्म के निर्माता भूषण कुमार ने उसी दौर में टी-सीरीज की कमान संभाली थी।

निर्देशक अनुभव सिन्हा ने पहले कई वीडियो और एड फिल्में बनाई थीं, मगर फिल्म बनाने का यह उनका पहला प्रयास था। जहां किसी फिल्म को सफल करने के लिए स्टार कास्ट को प्राथमिकता दी जाती थी। फिल्म में इसके उलट चारों मुख्य किरदारों के लिए नए चहरों का चुनाव किया गया। प्रियांशु चैटर्जी (शेखर मल्होत्रा), राकेश बापट (अमर शाह), हिमांशु मलिक (अभय ज्ञान) और संदली सिन्हा (पिया) ने इस फिल्म से डेब्यू किया। जहां राकेश बापट को एक एड में देखकर अनुभव की पत्नी ने उनकी सिफारिश की थी।

Aaj Ka Rashifal

धनु राशि के पूरे होंगे रुके काम मकर राशि का बढ़ेगा मान-सम्मान

Rashifal 14 July 2026: 14 जुलाई 2026, मंगलवार का दिन कुछ राशियों के लिए सफलता और शुभ समाचार लेकर आ सकता है, जबकि कुछ को धैर्य और समझदारी से काम लेने की जरूरत होगी। आइए जानते हैं मेष से मीन तक सभी 12 राशियों का आज का दैनिक राशिफल।

Aaj Ka Rashifal 14 July 2026): मंगलवार, 14 जुलाई 2026 को आषाढ़ माह के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि है। आज का दिन आध्यात्मिक दृष्टि से विशेष महत्व रखता है। ग्रहों और नक्षत्रों की चाल का प्रभाव सभी 12 राशियों के जीवन पर अलग-अलग रूप में देखने को मिल सकता है। कुछ राशियों को करियर और कारोबार में नई संभावनाएं मिल सकती हैं तो कुछ को आर्थिक मामलों में सतर्कता बरतने की आवश्यकता होगी।

मेष

आज किस्मत आपके कदमों के साथ चलती नजर आएगी। भाग्य का साथ मिलने से कई रुके हुए काम पूरे हो सकते हैं और समाज में आपकी प्रतिष्ठा भी बढ़ेगी। आपका मिलनसार स्वभाव नए लोगों को आपकी ओर आकर्षित करेगा और दोस्ती का दायरा बढ़ेगा। हालांकि बातचीत में कटु शब्दों से बचना जरूरी होगा। किसी भी बड़े फैसले में जल्दबाजी न करें और यदि किसी को धन उधार देने का विचार है, तो पूरी सावधानी बरतें, क्योंकि उसके वापस मिलने की संभावना कम दिखाई दे रही है।

वृषभ

आज का दिन व्यस्तता से भरा रह सकता है। काम का दबाव बढ़ने से भागदौड़ भी अधिक रहेगी। पेट से जुड़ी किसी भी परेशानी को नजरअंदाज न करें और खर्चों पर भी नियंत्रण बनाए रखें। एक साथ कई जिम्मेदारियां आने से मन थोड़ा तनाव महसूस कर सकता है। पड़ोसियों और आसपास के लोगों के साथ अच्छे संबंध बनाए रखें, क्योंकि मुश्किल समय में वही सबसे पहले साथ खड़े हो सकते हैं। प्रेम जीवन में साथी को लेकर कोई चिंता रह सकती है। वहीं माताजी के लिए कोई प्यारा-सा उपहार खरीदकर उनका दिन खास बना सकते हैं।

मिथुन

आज सफलता का रास्ता अच्छी योजना और धैर्य से होकर गुजरेगा। जल्दबाजी में लिया गया कोई फैसला परेशानी बढ़ा सकता है। संतान की ओर से कोई सुखद समाचार मिलने से घर में खुशी का माहौल रहेगा। पुरानी गलती से मिली सीख भविष्य में आपके बहुत काम आएगी। मेहनत से पीछे न हटें, क्योंकि यही आपकी सबसे बड़ी ताकत बनेगी। यदि प्रॉपर्टी खरीदने की सोच रहे हैं, तो बजट का पूरा ध्यान रखें।

कर्क

आज खर्चों पर नियंत्रण रखना आपके लिए सबसे जरूरी रहेगा। अविवाहित लोगों की किसी खास व्यक्ति से मुलाकात होने की संभावना है। परिवार में छोटी-मोटी नोकझोंक हो सकती है, इसलिए जमीन-जायदाद से जुड़े मामलों में सोच-समझकर ही अपनी राय दें। किसी रिश्तेदार के आने से घर का माहौल बदल सकता है। छोटे बच्चों के साथ समय बिताने से मन हल्का होगा और दिनभर की थकान भी दूर हो जाएगी।

सिंह

आज का दिन सुखद और संतोष देने वाला रहेगा। लंबे समय से अटका हुआ कोई आर्थिक मामला आपके पक्ष में सुलझ सकता है। आय के नए स्रोत बनने से भविष्य को लेकर भरोसा बढ़ेगा। यदि किसी को उधार दिया हुआ पैसा अटका था, तो उसके वापस मिलने की संभावना है। जीवनसाथी की सलाह व्यापार में लाभ दिला सकती है। किसी जरूरी काम से यात्रा करनी पड़ सकती है। हालांकि परिवार से जुड़ी कोई खबर मन को थोड़ा उदास भी कर सकती है।

कन्या

आज आपकी वाणी ही आपकी सबसे बड़ी ताकत साबित होगी। बोलने से पहले सोचें और किसी सामाजिक कार्यक्रम में पहले दूसरों की बात ध्यान से सुनें। विरोधी आपकी छवि खराब करने की कोशिश कर सकते हैं, लेकिन आपकी समझदारी उन पर भारी पड़ेगी। आर्थिक स्थिति मजबूत बनी रहेगी और खर्चों को लेकर ज्यादा चिंता नहीं होगी। व्यापार की कुछ योजनाओं को लेकर मन में असमंजस जरूर रह सकता है, लेकिन जल्द ही स्थिति स्पष्ट होगी।

तुला

आज धन और खुशहाली में बढ़ोतरी के अच्छे संकेत हैं। प्रेम जीवन में साथी के साथ यादगार पल बिताने का अवसर मिलेगा। हालांकि पुराने स्वास्थ्य संबंधी समस्या दोबारा परेशान कर सकती है, इसलिए खान-पान में लापरवाही न करें। भाई-बहनों का सहयोग हर कदम पर मिलेगा। व्यापार की किसी बड़ी डील को अंतिम रूप देने से पहले सभी पहलुओं पर अच्छी तरह विचार करें। जीवनसाथी की भावनाओं का सम्मान करें, इससे रिश्ते और मजबूत होंगे।

वृश्चिक

आज खर्चों पर नियंत्रण रखना बेहद जरूरी होगा। दिखावे में किया गया खर्च बाद में परेशानी का कारण बन सकता है। बातचीत के दौरान ऐसे शब्दों से बचें, जो जीवनसाथी को ठेस पहुंचा सकते हैं। संतान के भविष्य को लेकर आप थोड़ा सख्त रवैया अपना सकते हैं, लेकिन आपकी मंशा उनके भले की ही होगी। परिवार में किसी बात को लेकर विवाद बढ़ने की आशंका है, इसलिए धैर्य और समझदारी से काम लें।

धनु

आज का दिन आपके लिए शुभ संकेत लेकर आया है। यात्रा की योजना बन सकती है और माता-पिता की सेवा करने का अवसर भी मिलेगा। धन का सही उपयोग करना आज बेहद जरूरी रहेगा। पारिवारिक मामलों में गुस्से पर काबू रखें, वरना रिश्तों में दूरी आ सकती है। माता-पिता के आशीर्वाद से कोई रुका हुआ काम पूरा हो सकता है। घर की सुख-सुविधाओं पर खर्च बढ़ने की भी संभावना है।

मकर

आज चारों ओर सकारात्मक ऊर्जा का माहौल रहेगा। दूसरों की मदद करने का अवसर मिलेगा और इससे आपको भी आत्मसंतोष मिलेगा। हालांकि जरूरत से ज्यादा खर्च करने की आदत पर लगाम लगाना जरूरी होगा। सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में आपकी पहचान मजबूत हो सकती है। किसी नए काम की शुरुआत करने से पहले अच्छी तरह सोच-विचार कर लें। यदि यात्रा पर निकलें, तो वाहन सावधानी से चलाएं।

कुंभ

आज थोड़ा सतर्क रहकर आगे बढ़ने की जरूरत है। कुछ लोग आपके कामों में रुकावट डालने की कोशिश कर सकते हैं, इसलिए किसी अजनबी पर भरोसा न करें। कानूनी मामलों में भागदौड़ बढ़ सकती है। व्यापार में साझेदारी से जुड़ी किसी बड़ी डील करने से पहले हर पहलू पर गंभीरता से विचार करें, ताकि भविष्य में किसी तरह की परेशानी न हो।

मीन

आज का दिन सामान्य लेकिन कई छोटे-छोटे सुखद अनुभवों से भरा रहेगा। घर के लिए कोई नया इलेक्ट्रॉनिक सामान खरीदने का योग बन सकता है। पिताजी की सलाह आपके लिए बेहद लाभदायक साबित होगी, इसलिए उसे नजरअंदाज न करें। संतान किसी खास चीज की इच्छा जता सकती है। लंबे समय बाद किसी पुराने मित्र से मुलाकात आपका दिन यादगार बना देगी। हालांकि परिवार से जुड़े कुछ मुद्दों को लेकर मन में हल्की चिंता बनी रह सकती है।

Aaj Ka Love Rashifal

धनु राशि वालों पर बरसेगा पार्टनर का प्यार
सिंह राशि के रिश्ते को मिल सकती है नई मंजिल

vLove Rashifal 14 July: मेष से मीन तक जानें आज आपकी लव लाइफ कैसी रहेगी। किस राशि के रिश्ते में बढ़ेगा रोमांस और किसे रहना होगा सतर्क, पढ़ें आज का लव राशिफल।

Love Rashifal 14 July 2026: पंचांग के अनुसार 14 जुलाई 2026 को आषाढ़ माह की अमावस्या तिथि है। अमावस्या का दिन आत्ममंथन, रिश्तों में भावनात्मक गहराई और नई शुरुआत का प्रतीक माना जाता है। आज चंद्रमा की स्थिति और ग्रहों की चाल का प्रभाव प्रेम संबंधों और वैवाहिक जीवन पर भी देखने को मिल सकता है। जहां कुछ राशियों के लिए अपने साथी के साथ मन की बात साझा करने और रिश्तों को मजबूत करने का अवसर रहेगा, वहीं कुछ लोगों को गलतफहमियों और अनावश्यक विवादों से बचने की सलाह दी जाती है। अविवाहित जातकों के लिए भी नए परिचय या रिश्ते की शुरुआत के संकेत मिल सकते हैं। आइए जानते हैं मेष से मीन राशि तक, 14 जुलाई 2026 का दिन आपकी लव लाइफ और रिश्तों के लिए क्या संदेश लेकर आया है।

15 दिन बाद इन राशि वालों के शुरू होंगे अच्छे दिन
भाग्य होगा मजबूत और करेंगे तरक्की

Mangal Rashi Parivartan 2026: मंगल का यह गोचर कई लोगों के जीवन में नई ऊर्जा, सफलता और तरक्की के अवसर लेकर आ सकता है। कुछ राशियों के लिए यह समय विशेष रूप से शुभ रहेगा।

Mangal Rashi Parivartan 2026: ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, मंगल ग्रह साहस, ऊर्जा, पराक्रम के साथ-साथ भूमि के कारक माने जाते हैं। उनका प्रभाव व्यक्ति को ऊर्जावान और निडर बनाता है। इसके अलावा मंगल का गोचर भी राशियों पर प्रभाव डालता है, जिस कारण लाभ और हानि दोनों रूप से प्राप्त होते हैं। हालांकि, मंगल का राशि परिवर्तन कुछ राशियों के लिए पूर्ण से फलदायी होता है। यही कारण है कि, मंगल का मिथुन गोचर कुछ जातकों के लिए भाग्योदय लेकर आ सकता है। ज्योतिषियों के अनुसार, मंगल 2 अगस्त 2026 को रात 10 बजकर 59 मिनट पर मिथुन राशि में प्रवेश करेंगे। मंगल के इस राशि परिवर्तन के बाद कुछ राशि वालों के जीवन में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल सकते हैं। रुके हुए कार्य पूरे होंगे, यात्रा के योग बनेंगे नए लोगों से संपर्क बढ़ेगा

Shani Vakri 2026: कुछ ही दिनों बाद शनि चलेंगे उल्टी चाल,
इन 3 राशि वालों की बढ़ेगी टेंशन, जानें बचाव के उपाय

Shani Vakri 2026: शनि मीन राशि में वक्री होने वाले हैं। यह शनि देव की उल्टी चाल मानी जाती हैं, जिससे कुछ राशि वालों को परेशानियां व काम को लेकर दिक्कतें झेलनी पड़ सकती हैं।

Shani Vakri 2026: इस साल 27 जुलाई 2026 को शनि वक्री होने जा रहे हैं। वह मीन राशि में रहते हुए इस दिन रात 10 बजकर 21 मिनट पर वक्री अवस्था में आएंगे। ज्योतिषियों की मानें, तो शनि इस अवस्था में 11 दिसंबर 2026 की सुबह 3 बजकर 51 मिनट तक रहेंगे। ज्योतिष शास्त्र में शनि की वक्री चाल को बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है, क्योंकि इस दौरान इसका प्रभाव सभी 12 राशियों पर अलग-अलग रूप से देखने को मिलता है। जहां कुछ लोगों को मेहनत का फल मिलने की संभावनाएं बन सकती हैं, वहीं कुछ जातकों के जीवन में चुनौतियां और उतार-चढ़ाव बढ़ सकते हैं। ज्योतिषियों के अनुसार, विशेष रूप से मेष, धनु और मीन राशि के जातकों को इस अवधि में अधिक सतर्क रहने की आवश्यकता होगी। आइए जानते हैं इन राशियों पर शनि की वक्री चाल का क्या प्रभाव पड़ेगा और किन उपायों से इसके अशुभ प्रभाव को कम किया जा सकता है।ज्योतिषियों के अनुसार, शनि की वक्री चाल के दौरान मेष, धनु और मीन राशि के जातकों को कुछ महत्वपूर्ण मामलों में सावधानी बरतनी होगी। इस अवधि में मेहनत के अनुरूप परिणाम मिलने में देरी हो सकती है और कई कार्यों में बार-बार बाधाएं आने की संभावना रहेगी। घर और कार्यस्थल के बीच संतुलन बनाए रखना चुनौतीपूर्ण हो सकता है, जिससे मानसिक तनाव भी बढ़ सकता है।

IND vs ENG Playing-11:

क्या रोहित और कोहली की जोड़ी खत्म करेगी हार का सिलसिला? बुमराह 968 दिन बाद करेंगे वापसी

इंग्लैंड के खिलाफ मंगलवार से शुरू हो रही तीन मैचों की वनडे सीरीज में भारतीय टीम टी20 में मिली लगातार हार की निराशा को पीछे छोड़ने उतरेगी। रोहित शर्मा, विराट कोहली और जसप्रीत बुमराह की वापसी से टीम को मजबूती मिली है, जबकि इंग्लैंड भी मजबूत संयोजन के साथ मैदान पर उतरेगा।

टी20 सीरीज में लगातार हार के बाद अब भारतीय टीम की नजरें वनडे प्रारूप में वापसी पर हैं। मंगलवार से बर्मिंघम में इंग्लैंड के खिलाफ शुरू हो रही तीन मैचों की वनडे सीरीज में टीम इंडिया के सामने सिर्फ मुकाबला जीतने की नहीं, बल्कि खोया हुआ आत्मविश्वास वापस पाने की भी चुनौती होगी। ऐसे समय में दिग्गज बल्लेबाज रोहित शर्मा, विराट कोहली और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की वापसी भारतीय टीम के लिए बड़ी राहत मानी जा रही है। 39 वर्षीय रोहित शर्मा और जल्द 38 वर्ष के होने वाले विराट कोहली अब भी वनडे क्रिकेट के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाजों में गिने जाते हैं। दोनों खिलाड़ियों की नजर अगले साल होने वाले वनडे विश्व कप पर भी होगी। इंग्लैंड की चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में जोफ्रा आर्चर और जोश टंग जैसे तेज गेंदबाजों का सामना आसान नहीं होगा

IND vs ENG ODI: मैकुलम ने इंग्लैंड के फैंस से क्यों माफी मांगी?

ईसीबी के 'क्रूर' फैसले पर भी दी प्रतिक्रिया

भारत के खिलाफ वनडे सीरीज से पहले इंग्लैंड के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम ने प्रशंसकों से माफी मांगी। इसके पीछे क्या वजह रही, आइए जानते हैं। अब इंग्लैंड की नजर भारत के खिलाफ वनडे सीरीज में दमदार प्रदर्शन करने पर है। ब्रेंडन मैकुलम ने राष्ट्रीय टेस्ट कोच के तौर पर अपने नतीजों के लिए इंग्लैंड के क्रिकेट प्रशंसकों से माफी मांगी है और माना कि अब किसी और को मौका देने का समय आ गया है। मैकुलम सीमित ओवरों की टीम के प्रभारी बने रहे, लेकिन रविवार को उन्हें टेस्ट क्रिकेट में इस भूमिका से हटा दिया गया जो वह 2022 से संभाल रहे थे। न्यूजीलैंड के इस खिलाड़ी ने पुष्टि की कि उन्हें हटाया गया था और उन्होंने खुद पद नहीं छोड़ा था जैसा कि इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने एक बयान में कहा था। एजबेस्टन में सोमवार को उन्होंने कहा, 'हां, मुझे ईसीबी ने पद से हटा दिया। मैं निराश था, लेकिन साथ ही मैं इस फैसले का पूरा सम्मान करता हूं। हम नतीजों पर आधारित खेल में हैं और असल में हमारे नतीजे उतने अच्छे नहीं थे। अब किसी और को मौका देने का समय आ गया है।' अब मैकुलम की नजर भारत के खिलाफ वनडे सीरीज पर है। बहुत सारे टी20 और कुछ टेस्ट मैच (न्यूजीलैंड के खिलाफ) खेलने के बाद इंग्लैंड को इस प्रारूप के लिए अपनी लय में लौटना होगा हालांकि टी20 में शानदार जीत से उसके खिलाड़ियों का मनोबल काफी बढ़ा होगा। बल्लेबाजी क्रम में जो रूट के शामिल होने से इंग्लैंड की बल्लेबाजी को और अधिक मजबूती मिलेगी।

IND vs ENG: वनडे के भविष्य पर कप्तान शुभमन ने रखी राय 40 ओवर के प्रस्ताव को किया खारिज दिया अहम सुझाव

भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने वनडे क्रिकेट को 40 ओवर का करने के प्रस्ताव का विरोध करते हुए कहा कि इसकी जगह त्रिकोणीय और चतुष्कोणीय सीरीज आयोजित की जानी चाहिए, जिससे इस प्रारूप का रोमांच बढ़ेगा। भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल ने वनडे क्रिकेट को 40 ओवर का करने के प्रस्ताव का स्पष्ट विरोध किया है। उनका मानना है कि 50 ओवर का प्रारूप अपनी पहचान और प्रतिष्ठा बनाए रखे।

साथ ही उन्होंने द्विपक्षीय (Bilateral) सीरीज की जगह त्रिकोणीय (Tri-Series) और चतुष्कोणीय (Quadrangular Series) टूर्नामेंट आयोजित करने की वकालत की, ताकि वनडे क्रिकेट को फिर से अधिक आकर्षक बनाया जा सके। इंग्लैंड के खिलाफ मंगलवार से शुरू हो रही तीन मैचों की वनडे सीरीज से पहले आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में गिल ने कहा कि मौजूदा समय में टी20 क्रिकेट और फ्रेंचाइजी लीगों के बढ़ते प्रभाव के कारण वनडे प्रारूप चुनौतियों का सामना कर रहा है। हाल ही में आईसीसी की वार्षिक बैठक में वनडे को 40 ओवर का करने पर भी चर्चा हुई थी, लेकिन गिल इससे सहमत नहीं हैं। शुभमन गिल ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि वनडे को 40 ओवर का किया जाना चाहिए।' उन्होंने कहा कि यदि इस प्रारूप को और रोचक बनाना है तो पुराने दौर की तरह त्रिकोणीय और चतुष्कोणीय सीरीज दोबारा शुरू की जानी चाहिए गिल ने कहा, 'पहले हम काफी त्रिकोणीय सीरीज खेलते थे। ऑस्ट्रेलिया में भारत, ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका के बीच होने वाली सीरीज देखना

Explainer: लॉर्ड्स टेस्ट में बने छह बड़े रिकॉर्ड

विदेशी जमीं पर क्यों ऐतिहासिक है भारतीय महिला टीम की जीत?

लॉर्ड्स में भारत की 270 रन की ऐतिहासिक जीत सिर्फ एक जीत नहीं, बल्कि रिकॉर्ड्स की बारिश भी साबित हुई। क्रांति गौड़, यास्तिका भाटिया और स्मृति मंधाना समेत कई खिलाड़ियों ने ऐसे कीर्तिमान बनाए, जिन्होंने इस टेस्ट को भारतीय महिला क्रिकेट के इतिहास में हमेशा के लिए दर्ज करा दिया। भारतीय महिला टीम ने लॉर्ड्स में इंग्लैंड को 270 रन से हराकर इतिहास रच दिया। यह जीत सिर्फ भारत के लिए यादगार नहीं रही, बल्कि इस मुकाबले में कई बड़े रिकॉर्ड भी बने। तेज गेंदबाज क्रांति गौड़, विकेटकीपर-बल्लेबाज यास्तिका भाटिया और स्टार ओपनर स्मृति मंधाना ने अपनी शानदार उपलब्धियों से महिला क्रिकेट को ऊचाइयों पर पहुंचा दिया। भारत ने इंग्लैंड को 270 रन से हराया, जो महिला टेस्ट क्रिकेट में रनों के लिहाज से भारत की दूसरी सबसे बड़ी जीत

और ओवरऑल चौथी सबसे बड़ी जीत है। भारत की सबसे बड़ी जीत 2023 में नवी मुंबई में इंग्लैंड के खिलाफ 347 रन की रही थी। यह लॉर्ड्स में भारत की चौथी टेस्ट जीत भी है। इससे पहले भारतीय पुरुष टीम ने 1986 (कपिल देव), 2014 (एमएस धोनी) और 2021 (विराट कोहली) की कप्तानी में यहां जीत दर्ज की थी। भारत ने इस टेस्ट की दोनों पारियों में मिलाकर 626 रन बनाए (पहली पारी 285 और दूसरी पारी 341/7 घोषित)। यह महिला टेस्ट क्रिकेट में भारत का दूसरा सबसे बड़ा मैच स्कोर है।

IND W vs ENG W

ऐतिहासिक लॉर्ड्स टेस्ट में जीत की दहलीज पर भारत

गेंदबाजों ने इंग्लैंड को बैकफुट पर धकेला

लॉर्ड्स में खेले जा रहे पहले महिला टेस्ट में भारत जीत के बेहद करीब पहुंच गया है। यास्तिका भाटिया के ऐतिहासिक शतक और भारतीय तेज गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से इंग्लैंड तीसरे दिन स्टंप्स तक 130/6 पर संघर्ष कर रहा है। भारत ने लॉर्ड्स में खेले जा रहे इतिहास के पहले महिला टेस्ट मैच में जीत की ओर मजबूत कदम बढ़ा दिए हैं। यास्तिका भाटिया के शानदार शतक और गेंदबाजों के दमदार प्रदर्शन की बदौलत भारतीय टीम ने इंग्लैंड को 457 रन का विशाल लक्ष्य दिया।

जवाब में तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक इंग्लैंड ने छह विकेट के नुकसान पर 130 रन बनाए हैं और उसे जीत के लिए अभी 327 रन की जरूरत है, जबकि उसके सिर्फ चार विकेट शेष हैं। तीसरे दिन भारत ने अपनी दूसरी पारी सात विकेट पर 341 रन बनाकर घोषित की। विकेटकीपर बल्लेबाज यास्तिका भाटिया ने 158 गेंदों में 113 रन की शानदार पारी खेली और लॉर्ड्स में टेस्ट शतक लगाने वाली पहली महिला क्रिकेटर बनने का गौरव हासिल किया। उनके अलावा ऋचा घोष ने 52 गेंदों में नाबाद 50 रन की तेजतर्रार पारी खेली।

Explainer: बल्लेबाजी क्रम से लगातार छेड़छाड़ तेज गेंदबाज नाकाम

इन पांच कारणों के चलते भारतीय टीम को मिली हार

श्रेयस अय्यर की कप्तानी में भारतीय टी20 टीम का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा है। भारत को आयरलैंड के बाद इंग्लैंड के खिलाफ भी हार का सामना करना पड़ा है जिससे श्रेयस की कप्तानी और गौतम गंभीर की कोचिंग पर सवाल खड़े हो रहे हैं। आइए जानते हैं इस कारण के पांच मुख्य कारण क्या है और भविष्य को लेकर बीसीसीआई क्या कार्रवाई कर सकता है आयरलैंड के बाद इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज में भी भारतीय टीम को एक जीत तक नसीब नहीं हो सकी। पांचवें टी20 में इंग्लैंड ने 56 रनों से जीत दर्ज करने के साथ ही मेजबान टीम ने सीरीज को 4-0 से अपने नाम कर लिया। टी20 विश्व कप की चैंपियन भारतीय टीम ने कप्तानी में बदलाव किया था और सूर्यकुमार यादव की जगह श्रेयस अय्यर को कप्तानी सौंपी थी। लेकिन श्रेयस कप्तान के तौर पर अब तक विफल रहे हैं और शुरुआती सात मैचों में एक भी जीत दर्ज नहीं कर पाए हैं। इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें और आखिरी टी20 मैच में भारतीय क्रिकेट टीम ने एक ऐसा हैरान करने वाला फैसला लिया था। इस मुकाबले में भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी को सिर्फ तीन मैच खिलाने के बाद प्लेइंग इलेवन से बाहर कर दिया। नकी जगह अनुभवी खिलाड़ी संजू सैमसन की एकादश में वापसी हुई, जिन्हें पहले सूर्यवंशी के लिए ही टीम से ड्रॉप किया गया था। सूर्यवंशी ने ब्रिटेन दौरे के भारत दौरे पर सात में से तीन मैच खेले और इंग्लैंड के खिलाफ अपनी तीन छोटी पारियों में कुल 42 रन बनाए।

Brendon McCullum: टेस्ट टीम के मुख्य कोच पद से इस्तीफा देंगे मैकुलम जानें इंग्लैंड बोर्ड ने क्या एलान किया

ब्रेंडन मैकुलम इंग्लैंड पुरुष टेस्ट टीम के मुख्य कोच पद से हट जाएंगे, जिसकी आधिकारिक पुष्टि ईसीबी ने कर दी है। हालांकि, वह इंग्लैंड की वनडे और टी20 (व्हाइट-बॉल) टीमों के मुख्य कोच के रूप में अपनी जिम्मेदारी निभाते रहेंगे। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने आधिकारिक तौर पर घोषणा कर दी है कि ब्रेंडन मैकुलम इंग्लैंड पुरुष टेस्ट टीम के मुख्य कोच पद से हट जाएंगे। हालांकि, वह इंग्लैंड की पुरुष वनडे और टी20 (व्हाइट-बॉल) टीमों के मुख्य कोच के रूप में अपनी जिम्मेदारी निभाते रहेंगे। मैकुलम का टेस्ट टीम के मुख्य कोच के रूप में चार साल का कार्यकाल समाप्त हो जाएगा, जिसमें उन्होंने इंग्लैंड को टेस्ट क्रिकेट के सबसे आक्रामक और रोमांचक दौरों में से एक तक पहुंचाया।

ईसीबी ने बदलाव की पुष्टि की

ईसीबी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) रिचर्ड गोल्ड ने कहा कि मैकुलम ने इंग्लैंड की टेस्ट टीम में नई ऊर्जा और नई सोच का संचार किया। उनके नेतृत्व में टीम ने कई यादगार जीत दर्ज कीं। उन्होंने कहा कि बोर्ड मैकुलम के योगदान का आभारी है, लेकिन अगले साल होने वाली एशेज सीरीज में जीत के लक्ष्य को देखते हुए टेस्ट टीम के लिए बदलाव का यह सही समय है।

चार साल में बदली इंग्लैंड टेस्ट टीम की तस्वीर

ब्रेंडन मैकुलम ने 2022 में इंग्लैंड टेस्ट टीम की कमान संभाली थी। बेन स्टोक्स के साथ उनकी कप्तान-कोच जोड़ी ने आक्रामक और सकारात्मक क्रिकेट की नई शैली अपनाई, जिसे दुनिया भर में 'बैजबॉल' के नाम से पहचान मिली। इस दौर में इंग्लैंड ने कई यादगार टेस्ट मुकाबले जीते और टीम की खेलने की शैली में बड़ा बदलाव देखने को मिला।

व्हाइट-बॉल टीम के साथ जारी रहेगा सफर

मैकुलम इंग्लैंड की वनडे और टी20 टीमों के मुख्य कोच बने रहेंगे। हाल ही में उनकी कोचिंग में इंग्लैंड की टी20 टीम ने आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल तक का सफर तय किया। इसके अलावा, इंग्लैंड ने भारत को हराकर टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में दुनिया की नंबर-1 टीम का स्थान भी हासिल किया। ब्रेंडन मैकुलम ने कहा कि टेस्ट टीम को कोच करना उनके लिए गर्व और सम्मान की बात रही। उन्होंने कहा कि इस सफर में कई शानदार पल आए और कुछ कठिन दिन भी रहे, लेकिन यही इस चुनौती का हिस्सा था। उन्होंने कहा, 'मैं खिलाड़ियों, सपोर्ट स्टाफ और उन सभी प्रशंसकों का आभारी हूं जिन्होंने पूरे सफर में हमारा साथ दिया।

लेखकों के वैचारिक दृष्टिकोण से या संवाददाताओं की खबरों से संपादक की सहमति-असहमति अनिवार्य नहीं है। किसी लेख या खबर के सन्दर्भ में आपत्ति या विरोध हो तो संपादकीय कार्यालय से सम्पर्क करें।
आपके स्पष्टीकरण को साक्ष्य प्रकाशित किया जाएगा।
– सम्पादक

R.N.I. No.
UPHIN/25/A4228
स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक
निर्भय कुमार सेंगर
के लिए 'प्लैनेट न्यूज़ इंडिया' प्रेस से छपकर,
बी-9, गायत्री भवन,
विक्रम कॉलोनी, चावला पेट्रोल पंप के पास,
रामघाट रोड, अलीगढ़
(उ.प्र.) से प्रकाशित।
मो. 9454428661
प्रधान संपादक- निर्भय कुमार सेंगर
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अलीगढ़ होगा)
Email:planetnewsindia776
@gmail.com

BOOK YOUR ADVERTISEMENT

+91-7088120300